P372

आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 12 जून 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 194
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

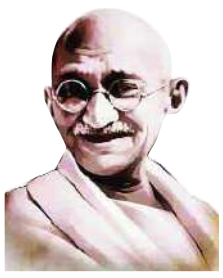

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

अब बड़े संस्थानों को लगाना होगा 'वेस्ट टू वेल्थ' प्लांट

पेज-2

टी20 विश्वकप से 60 गुना अधिक है फीफा विश्वकप की इनामी राशि

पेज-5

लाड़ली बहना योजना एक लाख नाम कटे

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- मशहूर शूटर जसपाल राणा का निधन, अस्पताल में चल रहा था इलाज
- छत्तीसगढ़ : 'पुष्पा' की तरह हो रही 'सागौन' लकड़ी की तस्करी को पुलिस ने किया नाकाम
- होर्मुज स्ट्रेट में US सेना ने ईरान के दो ड्रोन मार गिराए
- भारत में 2024 में सड़क हादसों से 1.77 लाख लोगों की मौत, हर घंटे 20 लोगों ने गंवाई जान : सरकारी रिपोर्ट
- हैदराबाद : CM रेवंत रेड्डी आज सरकारी जूनियर कॉलेजों में नाश्ता-मिड-डे मील योजना का करेंगे शुभारंभ
- नोएडा : सेक्टर-50 स्थित सोसायटी की चौथी मंजिल पर लगी आग, मौके पर पहुंची फायर टीम
- तेज हवा के साथ दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश
- राज्यसभा चुनाव : मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर आज सुप्रीम सुनवाई

राज्यसभा का रण : एक तरफ जीत के बाद भी जश्न नहीं, वहीं दूसरी तरफ हार के बाद दिखी खटपट

तीन सांसद मिले, फिर भी नहीं उत्साह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित भाजपा के तीनों उम्मीदवारों ने प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया। प्रमाण पत्र लेने के बाद तीनों नेताओं ने झुककर प्रणाम किया और बिना मीडिया से बातचीत किए विधानसभा से रवाना हो गए।

इसके बाद तीनों नवनिर्वाचित सांसद विधानसभा से सीधे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निवास पहुंचे। गौर करने वाली बात यह रही कि वे भाजपा प्रदेश कार्यालय नहीं गए और वहां किसी तरह का सार्वजनिक जश्न भी देखने को नहीं मिला। आमतौर पर भाजपा में चुनावी जीत के बाद उत्सव का माहौल देखने को मिलता है। पार्षद के जीतने पर भी पार्टी कार्यालय में ढोले बजते हैं, आतिशबाजी होती है और मिठाइयां बांटी जाती हैं लेकिन राज्यसभा की तीन सीटें मिलने के बावजूद प्रदेश कार्यालय में ऐसी कोई हलचल नजर नहीं आई। दरअसल, राज्यसभा की तीसरी सीट को लेकर मामला अभी पूरी तरह शांत नहीं हुआ है। कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के बाद यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में इस सन्नाटे को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब लोग कह रहे हैं कि कहीं बीजेपी को ये डर तो नहीं कि बाजी हाथ से निकल गई तो.. या ये भी हो सकता है कि पार्टी आलाकमान के निर्देश पर फिलहाल जश्न नहीं मनाया गया हो।

मंच पर दिखी नेताओं की खींचतान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल मध्य प्रदेश कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान एक बार फिर चर्चा में आ गई है। कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो सामने आया है, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की बातें हो रही हैं।

वीडियो में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी के बीच कुछ असहजता नजर आ रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को इशारा करते हुए कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया से बात रखने के लिए कहते दिखाई देते हैं। इसी दौरान हरीश चौधरी उन्हें रोकते-टोकते हुए कहते हैं- हम देख लेंगे। इसके बाद दिग्विजय सिंह हाथ जोड़कर उन्हें जवाब देते हैं, धन्यवाद कहते हैं और फिर मंच पर शांत होकर बैठ जाते हैं। हालांकि, वीडियो में बातचीत स्पष्ट रूप से सुनाई नहीं दे रही है, लेकिन जो दिख रहा है, दोनों नेताओं के जो हाव-भाव हैं, उसे देखकर हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके बाद जीतू पटवारी, दिग्विजय सिंह से अपनी बात रखने का आग्रह भी करते हैं। पटवारी कई बार उनसे बोलने के लिए कहते हैं, लेकिन दिग्विजय सिंह 'हो गया' कहकर मना कर देते हैं। अब इस घटनाक्रम को लेकर लोग तरह-तरह की व्याख्याएं कर रहे हैं। कोई इसे कांग्रेस में बड़े नेताओं के बीच खींचतान बता रहा है तो कोई गुटबाजी का नतीजा।

आज शाम 4 बजे जारी होंगे हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा के नतीजे

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी (कक्षा 12वीं) द्वितीय परीक्षा वर्ष-2026 का परीक्षा के नतीजे आज घोषित किया जाएगा। यह परिणाम शाम 4 बजे जारी किया जाएगा। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम मंडल की आधिकारिक वेबसाइट mpbse.mponline.gov.in पर जाकर देख सकेंगे।

जो छात्र मुख्य परीक्षा में असफल रहे थे, अनुपस्थित थे या अपने अंकों में सुधार करना चाहते थे, वे छात्र स्वयं ही ऑनलाइन माध्यम से नतीजों की जांच करने के साथ ही मार्कशीट की डिजिटल कॉपी डाउनलोड कर पाएंगे। ओरिजिनल मार्कशीट बोर्ड द्वारा स्कूल भेजी जाएगी। परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सभी छात्र अब आगे कॉलेजों में उच्च शिक्षा या स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र माने जाएंगे। मूल मार्कशीट और पासिंग सर्टिफिकेट आने वाले दिनों में संबंधित स्कूलों के माध्यम से वितरित किए जाएंगे। बता दें कि एमपी बोर्ड में कक्षा 10वीं में छात्रों को पास होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 33 प्रतिशत नंबर लाने अनिवार्य है। अगर एक या दो सब्जेक्ट में न्यूनतम पास प्रतिशत से कम अंक आते हैं, तो विद्यार्थी फेल माना जाएगा।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं की 'द्वितीय परीक्षा' या पूरक परीक्षा 7 से 19 मई 2026 और कक्षा 12वीं की द्वितीय बोर्ड परीक्षाएं 7 से 26 मई तक आयोजित की गई थी। सभी विषयों की परीक्षा केवल एक ही शिफ्ट में आयोजित की गई थी।

डायरेक्ट और प्रमोटी आईएएस अफसरों के बीच अंदरूनी मतभेद बाहर आया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल प्रदेश में डायरेक्ट (आरआर) और प्रमोटी आईएएस (पीआर) अफसरों के बीच चल रहा अंदरूनी मतभेद वाट्सऐप ग्रुप के जरिए सामने आया है। आईएएस व्हाट्सऐप ग्रुप से शुरू हुई चर्चा प्रमोटी आईएएस अधिकारियों के अलग ग्रुप में भी शेयर कर दी गई। इस टिप्पणी को लेकर प्रमोटी आईएएस अधिकारियों ने भी अपनी भड़ास निकाली।

पूर्व केंद्रीय सचिव अनिल स्वरूप ने एक लेख लिखा है। इस आर्टिकल को मप्र कैडर के ही पूर्व आईएएस आलोक श्रीवास्तव ने आईएएस एसोसिएशन मध्यप्रदेश के आधिकारिक व्हाट्सऐप ग्रुप में शेयर किया। उन्होंने लिखा कि सरकारें अनेक योजनाएं और अभियान शुरू करती हैं, लेकिन उनमें से बहुत कम पहल ऐसी होती हैं, जो लंबे समय तक प्रभावी ढंग से चलती रहें। छिंदवाड़ा जिले में कलेक्टर रहे युवा आईएएस शीलेंद्र सिंह ने जो किया, वह अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। इस पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की एसीएस दीपाली रस्तोगी ने लिखा कि जिला पंचायत के सीईओ अग्रिम कुमार, जो एक युवा आईएएस अधिकारी हैं, ने बहुत सक्रिय भूमिका निभाई है। यहीं से विवाद ने नया मोड़ ले लिया। इसके बाद ग्रुप पर बधाई का सिलसिला भी बंद हो गया। इसके बाद प्रमोटी आईएएस अधिकारियों के एक अलग ग्रुप पर यंग अफसरों को लेकर चर्चा होने लगी।

प्री मानसून : बादल छाए, तापमान और गिरा, बारिश की संभावना

सुबह बादलों के कारण चलती रही धूप की आंख-मिचौली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर शहर के आसमान पर एक बार फिर बादलों की आवाजाही शुरू हो चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि रविवार से शहर में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है। दो दिनों से बादलों के कारण दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिन भर बादलों के कारण धूप की आंख-मिचौली चल रही है।

मौसम केंद्र के मुताबिक गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा रहा। जबकि यह बुधवार को 38.9 डिग्री रहा था। वहीं रात का न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था। दिन में हवाओं की दिशा पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार सुबह 43 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची तो दिन में 17 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चली। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक शहर में रविवार से हल्की बारिश शुरू होने की संभावना है। बारिश का यह दौर लगातार जारी रहेगा। इस बीच मानसून भी इंदौर में आमद दे सकता है। इसके कारण तापमान में कमी आएगी और लोगों को गर्मी के साथ ही जलसंकट से भी मुक्ति मिलेगी।

बारिश नहीं होने से उमस कर रही लोगों को परेशान

बारिश का सीजन शुरू हो गया है, लेकिन अभी तक शहर में मात्र 1 इंच बारिश ही दर्ज हुई है। लगातार बादल छा रहे है, लेकिन बारिश के बादल अभी दूर होने से उमस काफी बढ़ रही है। गुरुवार को भी आद्रता सुबह 68 और शाम को 35 प्रतिशत रही। दिन में धूप भी खिली, लेकिन बादलों के कारण अच्छा उमस काफी परेशान कर रही है। सुबह चल रही ठंडी हवा लोगों को सुकून देती है तो रात में भी ठंडी हवाएं चल रही है।

प्रशासन की पहल : महू में वृक्षारोपण का मास्टर प्लान तैयार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर इंदौर संभाग के महू क्षेत्र में गंभीर नदी को नया जीवन देने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नदी के जलागम क्षेत्र को सुरक्षित करने और भू-जल स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से भमती और रिछा पहाड़ियों के सीमांकन का कार्य आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया गया है। इस अभियान को गति देने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने प्रभावित क्षेत्रों का जमीनी निरीक्षण किया।

निरीक्षण दल में शामिल अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) महू राकेश परमार, जनपद पंचायत डॉ. अंबेडकर नगर महू के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गिरीराज दुबे और तहसीलदार महू विवेक सोनी ने भमती एवं रिछा पहाड़ी क्षेत्र का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने गंभीर नदी के जलागम क्षेत्र में मिट्टी और जल संरक्षण के लिए बनाई गई प्रस्तावित कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की। योजना के तहत इस पहाड़ी क्षेत्र में लगभग 10 हजार सतत कंटूर ट्रेंच (सीसीटी) का निर्माण किया जाना तय हुआ है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार सतत कंटूर ट्रेंच के निर्माण के साथ-साथ इस पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान भी चलाया जाएगा। इस दोहरी रणनीति से वर्षा के जल को बहने से रोका जा सकेगा और वह अधिकतम मात्रा में जमीन के भीतर समाहित होगा। इस प्रक्रिया से न केवल क्षेत्र के भू-जल स्तर में सुधार होगा, बल्कि मिट्टी के कटाव पर भी प्रभावी रोक लगेगी। यह पूरा प्रयास गंभीर नदी के प्राकृतिक जल प्रवाह को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करेगा।

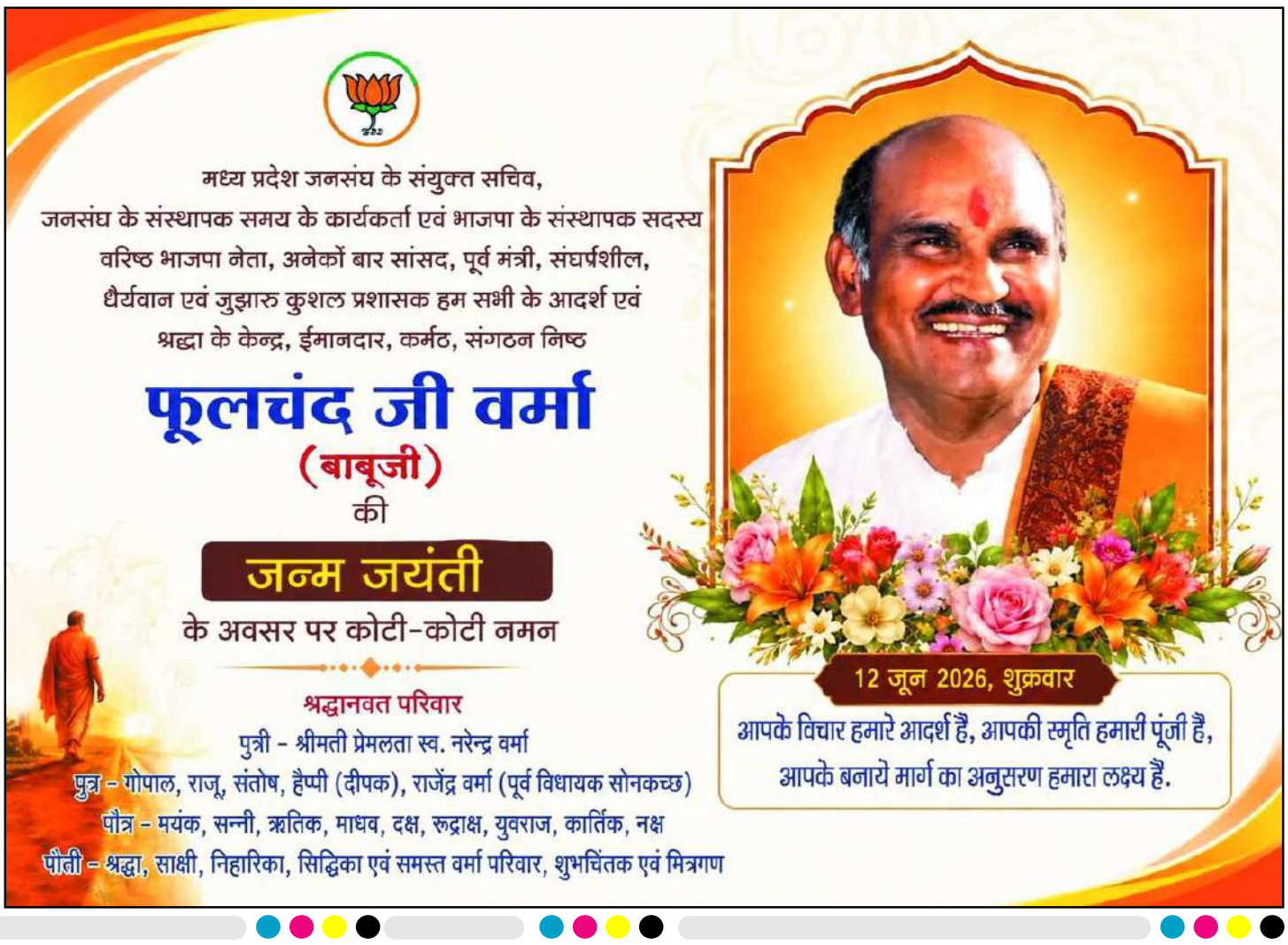

न्यूज ब्रीफ

द पार्क इंदौर में 'पैन एशियन सिग्नेचर' लाइव काउंटर्स का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अगर एक ही शाम में थाईलैंड की ताज़गी, वियतनाम की सादगी, चीन के पारंपरिक स्वाद और जापानी व्यंजनों की बारीकी का अनुभव मिल जाए, तो यह किसी फूड लवर के लिए किसी यात्रा से कम नहीं होगा। इसी अनुभव को इंदौरवासियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से द पार्क इंदौर के रेस्टोरेंट एपिसेंटर में 12 जून से 21 जून तक 'पैन एशियन सिग्नेचर' लाइव काउंटर्स का आयोजन हो रहा है, जहां स्वाद के साथ एशिया के विभिन्न देशों की पाक परंपराओं की झलक भी देखने को मिलेगी। इस दौरान मेहमानों को विभिन्न देशों की परंपराओं और स्वादों का अनुभव एक ही स्थान पर मिलेगा। आयोजन के खास मेन्यू में स्पाइसी एवोकाडो टी लीफ सलाद, फ्रूट निगिरी, वियतनामी राइस रोल्स, वाइल्ड मशरूम क्रीम चीज डम्पलिंग, वेज डिमसम, थाई पोमेलो सलाद जैसे व्यंजन परोसे जाएंगे। वहीं डेजर्ट सेक्शन में मिक्स बेरी सागो, टपटिमक्रोप, चॉकलेट चिली वॉलनट रोल्स जैसी चयनित एशियाई मिठाइयाँ परोसी जाएंगी।

कंम्पेल चौकी प्रभारी सिसोदिया को दी विदाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जब एक पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्य के साथ-साथ जनता का दिल जीत लेता है, तो विदाई की घड़ियाँ इतिहास बन जाती हैं। ऐसा ही एक भावुक और ऐतिहासिक नजारा इंदौर के खुड़ैल थाना क्षेत्र के अंतर्गत, मां अहिल्याबाई होल्कर की पूर्व ऐतिहासिक राजधानी कंम्पेल में देखने को मिला। यहाँ पुलिस चौकी प्रभारी सत्येंद्र सिंह सिसोदिया के स्थानांतरण (ट्रांसफर) पर पूरे क्षेत्र के ग्रामीणों की आँखें नम हो गईं। ग्रामीणों ने नम आँखों और भव्य पुष्पमालाओं के साथ अपने चहेते अधिकारी को विदाई दी।

राष्ट्रीय जिनशासन एकता संघ द्वारा सीएम को पत्र लिखा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 'जैन संतों के विरुद्ध षड्यंत्र की उच्च स्तरीय जांच हो' - जिनशासन एकता संघ ने ट्रू को लिखा पत्र राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के प्रचारक राजेश जैन दद्दू एवं मयंक जैन ने बताया कि सागर-अशोकनगर में सोशल मीडिया पर अनर्गल दुष्प्रचार से बिगाड़ रहे हैं समाज में सौहार्द राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र के माध्यम से भेजा ज्ञापन, संत सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग 'मध्य प्रदेश दिगंबर संतों की पवित्र तपस्थली, मध्य प्रदेश में विचरण कर रहे जैन संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं संतों के विरुद्ध रचे जा रहे षड्यंत्र की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

रियलमी ने रियलमी पी4 आर 5जी पेश किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज रियलमी पी4आर 5जी लॉन्च किया। इसमें सेगमेंट की सबसे मजबूत 8,000 एम.ए.एच की बैटरी है। यह स्मार्टफोन उन युवाओं के लिए है, जो अपने स्मार्टफोन में लंबी बैटरी लाईफ, स्मूथ परफॉर्मेंस, बेहतरीन मनोरंजन और रोजमर्रा के इंटैलिजेंट अनुभव जैसी खूबियाँ चाहते हैं।

अब बड़े संस्थानों को लगाना होगा 'वेस्ट टू वेल्थ' प्लांट

होटल, अस्पताल और मैरिज गार्डन कचरे के निपटान की करेंगे व्यवस्था

नगर निगम ने जारी की सार्वजनिक सूचना, नियम न मानने पर होगी कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में अब कचरा प्रबंधन को लेकर नियम और सख्त होने जा रहे हैं। नगर निगम ने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के नियमों का हवाला देते हुए सार्वजनिक सूचना जारी की है, जिसके तहत बड़े होटल, मैरिज गार्डन, अस्पताल, हॉस्टल, धार्मिक संस्थान, शैक्षणिक परिसर और बड़े आवासीय परिसरों को अपने यहां जैविक कचरे के निपटान की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। नगर निगम द्वारा जारी सूचना के अनुसार बॉयोमेडिकल, प्लास्टिक और अन्य कचरे के साथ-साथ अब बड़े पैमाने पर निकलने वाले गीले कचरे के वैज्ञानिक निपटान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके लिए केंद्र सरकार के बॉयो-वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) नियम-2026 को लागू किया गया है।

किन संस्थानों पर लागू होगा नियम: निगम की सूचना के अनुसार ऐसे संस्थान जिनका निर्मित क्षेत्रफल 20 हजार वर्गमीटर या उससे अधिक है, अथवा जहां प्रतिदिन 40 हजार लीटर पानी की खपत होती है या प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक जैविक कचरा निकलता है, उन्हें अपने

परिसर में बायोगैस प्लांट, कम्पोस्टिंग यूनिट या अन्य स्वीकृत कचरा प्रसंस्करण व्यवस्था स्थापित करनी होगी। इस दायरे में बड़े होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, छात्रावास, सामुदायिक भवन, मैरिज गार्डन, धार्मिक स्थल, शैक्षणिक संस्थान और बड़े आवासीय परिसर शामिल हैं।

अब कचरा नहीं, बनेगा संसाधन- निगम अधिकारियों का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य कचरे को बोझ नहीं बल्कि संसाधन में बदलना है। संस्थानों को अपने परिसर में ही जैविक कचरे का उपचार कर खाद, बायोगैस या अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करने होंगे। इससे नगर निगम पर कचरे का दबाव कम होगा और लैंडफिल साइटों पर जाने वाले कचरे की मात्रा भी घटेगी।

पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य

सार्वजनिक सूचना में स्पष्ट किया गया है कि सभी पात्र संस्थानों को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के केंद्रीकृत पोर्टल पर पंजीयन कराना होगा। साथ ही कचरे की मात्रा, प्रसंस्करण व्यवस्था, वार्षिक रिपोर्ट और अन्य आवश्यक जानकारी भी नियमित रूप से अपलोड करनी होगी। नगर निगम ने साफ कर दिया है कि निर्धारित समय-सीमा में नियमों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता की दिशा में निगम का अगला कदम

विशेषज्ञों का मानना है कि इंदौर में यह कदम स्वच्छता मॉडल के अगले चरण के रूप में देखा जा रहा है। अब फोकस केवल कचरा संग्रहण पर नहीं बल्कि कचरा उत्पन्न करने वाले स्रोत पर ही उसके वैज्ञानिक निपटान पर है। यदि यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है तो इंदौर देश के अन्य शहरों के लिए एक नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

पहले चरण में 10 करोड़ के कार्य होंगे, जल्द होगा शुभारंभ

खजराना मंदिर में गर्भगृह के सामने का मंडप होगा नीचे, आसानी से होंगे दर्शन

वाहन पूजन के लिए अलग से होगी व्यवस्था मास्टर प्लान तैयार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● खजराना गणेश मंदिर भक्तों को आने वाले कुछ समय में नए रूप में नजर आएगा। विभिन्न तिथि-त्योहारों पर भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर में कई बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। इससे भक्तों को दर्शन करने में आसानी होगी। मंदिर समिति द्वारा सबसे पहले मंदिर के गर्भगृह के गेट को चौड़ा किया जा रहा है। गर्भगृह के दरवाजों से करीब 150 किलो चांदी को निकालकर सुरक्षित रखी गई है।

गेट की चौड़ाई बढ़ने के बाद इसे नए सिरे से इन पर वापस चढ़ाया जाएगा। मंदिर में अलग-अलग चरणों में होने वाले विकास के काम में पहले चरण में करीब 10 करोड़ रुपए तक खर्च हो सकते हैं। बड़े मंदिरों की तरह गर्भगृह के सामने बने मंडप को नीचे किया जाएगा, इससे पीछे से आने वाले भक्तों को सीधे भगवान के दर्शन हो सकेंगे।

प्रसाद की दुकानों पर लगेगा शेड : शहर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नए वाहन खरीदने पर सबसे पहले उसे लेकर खजराना गणेश मंदिर पहुंचते हैं और यहां उसका पूजन करवाते हैं। मंदिर के मास्टर प्लान में अब नए वाहनों के पूजन के लिए अलग से व्यवस्था की जाएगी। फिलहाल भक्त पार्किंग स्थल पर ही वाहनों की पूजा करवाते हैं। मंदिर में प्रसाद की दुकानों के ऊपर पर शेड लगाया जाएगा।

गर्भगृह में लगाई गई प्लास्टिक शीट: मंदिर में होने वाले बदलाव के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया गया है। यह मास्टर प्लान कलेक्टर और नगर निगम कमिश्नर की देखरेख में बनाया गया है। मंदिर में होने वाले बदलाव का पहला चरण जल्द ही शुरू होने वाला है। इसके लिए गर्भगृह में प्लास्टिक की ट्रांसपेरेंट शीट भी लगाई गई है। ताकि निर्माण कार्य के दौरान धूल अंदन ना पहुंचे और यहां आने वाले को आसानी से दर्शन भी हो सके।

एसजीएसआईटीएस की रिपोर्ट पर होगा बदलाव-लिए मंदिर प्रबंधन और प्रशासन सुधार कार्य के एसजीएसआईटीएस कॉलेज की मदद ले रहा है। कॉलेज ने मंदिर में विकास कार्यों को लेकर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जिसमें यह बताया गया है कि किस तरह बड़ी संख्या में आने वाले भक्तों को बिना कोई परेशानी के दर्शन कराने के लिए क्या बदलाव किया जाना आवश्यक है। इसी रिपोर्ट के आधार पर खजराना गणेश मंदिर में बदलाव किए जाएंगे।

कतार में पीछे खड़े श्रद्धालुओं को भी होगी दर्शन की सुविधा

मंदिर के पं. अशोक भट्ट ने बताया कि गर्भगृह के सामने स्थित सभा मंडप, जहां श्रद्धालु खड़े होकर भगवान के दर्शन करते हैं और छोटी प्रतिमा का अभिषेक करते हैं, उसे करीब दो से ढाई फीट नीचे किया जाएगा। इससे आगे खडे भक्तों के पीछे कतार में खड़े श्रद्धालुओं को भी भगवान के दर्शन आसानी से हो सकेंगे। वर्तमान व्यवस्था में आगे खड़े लोगों के कारण पीछे मौजूद भक्तों को दर्शन करने में परेशानी होती है। सभा मंडप नीचे होने से वीआईपी दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु, नवविवाहित दूल्हा-दुल्हन तथा अन्य विशेष अतिथि भी सुविधाजनक ढंग से दर्शन कर सकेंगे। साथ ही पीछे खड़े भक्तों के दर्शन में भी किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

निर्माण कार्य में सुस्ती पर एजेंसी को लगाई फटकार

मास्टर प्लान की सड़कों का आयुक्त ने किया निरीक्षण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार को निर्माणाधीन मास्टर प्लान की सड़कों और विकास कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिंसी चौराहा से रानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक तथा मधुमिलन चौराहा से छावनी चौराहा तक बन रही मास्टर प्लान सड़कों का निरीक्षण किया। इसके अलावा चंद्रभागा क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने रानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा से नेमिनाथ जैन मंदिर तक बन रही सड़क पर मलबा हटाने में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित एजेंसी को फटकार लगाते हुए तत्काल मलबा हटाने और सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के नागरिकों ने स्वयं बाधक हिस्से को हटाने में सहयोग किया था। चंद्रभागा क्षेत्र में निर्माण की धीमी गति पर भी आयुक्त ने असंतोष जताया और एजेंसी को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

इंदौर। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पहुंचे राष्ट्रकवि सत्यनारायण सत्तन के निवास पर।

उषा फाटक में गाड़ी खड़ी करने की बात पर दो पक्षों में पथराव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के उषा फाटक क्षेत्र में बुधवार-गुरुवार दरमियानी रात उस समय सनसनी फैल गई, जब मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिसक रूप ले लिया। गाड़ी खड़ी करने की बात पर शुरू हुई कहासुनी कुछ ही देर में पथराव में बदल गई और पूरा इलाका रणक्षेत्र जैसा नजर आने लगा। आधी रात को सड़कों पर पत्थर बरसने लगे, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार रात करीब 1 बजे रोहित बोयत और कल्याणे परिवार के बीच वाहन खड़ा करने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। पहले दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से लोग आमने-सामने आ गए और पथराव शुरू हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर पत्थर फेंके। इस दौरान कुछ लोगों ने रोहित बोयत के घर को भी निशाना बनाया। अचानक हुए पथराव से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। पत्थरों की आवाज और शोर-शराबे से पूरी कॉलोनी देर रात तक दहशत में रही। घटना की सूचना मिलते ही एमजी रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हालात की गंभीरता को देखते हुए सेंट्रल कोतवाली और छोटी ग्वालटोली थाना पुलिस का अतिरिक्त बल भी बुलाना पड़ा। भारी पुलिस बल ने मौके पर मोर्चा संभालते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पथराव और विवाद में शामिल करीब आधा दर्जन युवकों को हिरासत में लिया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल क्षेत्र में शांति है, लेकिन घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

कुश्ती दंगल का आयोजन 14 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष विक्रम अवार्ड से सम्मानित स्वर्गीय मूलचंद यादव बन्ते पहलवान की पावन स्मृति में एवं वर्तमान में मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष नारायण यादव दादा के संरक्षण में इंदौर में 14 जून को शाम 4 बजे से देश के लोकप्रिय ऐतिहासिक बाहुबली पहलवानों के कुश्ती दंगल का आयोजन किया जा रहा है। बरसात के मौसम को देखते हुए दिनांक 14 जून रविवार को शाम 5:00 बजे से बास्केटबॉल इंडोर परिसर में मिट्टी के अखाड़े में शहर प्रदेश और देश के बाहुबली पुरुष एवं महिला पहलवानों का लाखों रूपए इनामी कुश्ती दंगल आयोजित किया जा रहा है

युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज मरीमाता स्थित सेवा सदन कार्यालय पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के प्रथम नगर इंदौर आगमन के अवसर पर आगामी कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक तैयारियों को लेकर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-3 के युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। माननीय सनातनी विधायक गोलू शुक्ला मौजूद थे। बैठक में संगठन विस्तार, युवाओं की सक्रिय भागीदारी तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई। युवा साथियों का उत्साह, समर्पण और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता निश्चित रूप से भाजपा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल वर्मा, विवेक शर्मा, प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी भावेश दवे, विधानसभा प्रभारी दिनेश वर्मा, आशीष हार्डिया, मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, आवेश राठौर, यश यादव एवं युवा मोर्चा के समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के प्रथम चरण का आवंटन जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत एनसीटीई पाठ्यक्रमों (बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड. आदि) के प्रथम चरण का महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिया गया है। प्रथम चरण में पात्र अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। आवंटित अभ्यर्थियों को प्रवेश सुनिश्चित करने के लिये 15 जून 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 64,641 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 59,113 आवेदनों का सत्यापन किया गया। प्रथम चरण में 32,918 अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं।

चार वर्षों में सब्जी उत्पादन में 21.58 लाख मीट्रिक टन की हुई अभूतपूर्व वृद्धि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश आज कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी सशक्त पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है, इसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि का विविधीकरण तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहते है कि कृषि को केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण को भी समान महत्व देना आवश्यक है। विगत 4 वर्ष में प्रदेश के सब्जी उत्पादन में लगभग 21.58 लाख मीट्रिक टन की

उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मध्यप्रदेश देश में सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा 'समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश' की थीम पर सब्जी क्षेत्र विस्तार की व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। प्रदेश की अनुकूल जलवायु, उपजाऊ भूमि, सिंचाई संसाधनों का विस्तार तथा किसानों द्वारा आधुनिक तकनीकों को अपनाने के कारण सब्जी उत्पादन में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। वर्ष 2022-23 में प्रदेश में सब्जियों का उत्पादन 236.41 लाख मीट्रिक टन था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 257.99 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया। यह वृद्धि राज्य के कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र की सुदृढ़ प्रगति को दर्शाती है।

दिग्विजय के कृत्यों से लगता है उन्हें पाकिस्तान का संविधान ज़्यादा पसंद है-महापौर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था सुप्रीम कोर्ट के संबंध में की गई टिप्पणी पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।महापौर ने कहा की दिग्विजय के पुराने कृत्यों को देख कर लगता है कि उन्हें पाकिस्तान का संविधान ज़्यादा पसंद है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आगे कहा कि विधि का विद्यार्थी और एक जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्हें इस बात का गहरा दुख है कि देश की सर्वोच्च अदालत के लिए इस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया गया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का 'बंटाधार' करने वाले दिग्विजय सिंह आज न्यायपालिका पर सवाल खड़े कर रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी अपने उम्मीदवार का नामांकन पत्र तक सही तरीके से दाखिल नहीं करवा सकी। महापौर ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से वे कई विधि विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं की राय सुन रहे हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 12 जून 2026

कंडवाल की संपत्ति की जांच शुरू, 6 करोड़ का प्लॉट भी मिला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महिला एवं बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडी) के संयुक्त संचालक लक्ष्मीनारायण कंडवाल के ठिकानों पर छापेमारी के बाद लोकायुक्त पुलिस ने जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में अब उनकी चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, लॉकरों और निवेश की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय के अनुसार जांच में अब तक कंडवाल के नाम 16.479 हेक्टेयर (करीब 40.72 एकड़) कृषि भूमि सामने आई है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 25 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसके अलावा स्कीम नंबर 140 में 1000-1000 वर्गफीट के दो आवासीय भूखंड मिले हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2.50 करोड़ रुपए है। जांच में स्कीम नंबर-103 में 2712 वर्गफीट का एक व्यावसायिक भूखंड भी सामने आया है। इस संपत्ति का बाजार मूल्य लगभग 6.80 करोड़ रुपए बताया गया है, जबकि उस पर निर्मित भवन की लागत करीब 2 करोड़ रुपए आंकी गई है। छापे के दौरान कंडवाल के कब्जे से 1.06 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की सामग्री और अन्य संपत्तियों का भी दस्तावेजीकरण किया गया। पास के जिलों में ही रही पोस्टिंग लोकायुक्त के अनुसार कंडवाल ने अपने करीब 30 वर्षों के सेवाकाल में झाबुआ, रतलाम, नीमच, रीवा, शहडोल, उज्जैन, देवास और इंदौर सहित कई जिलों में पदस्थापना पाई है। वे अगले पांच से छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले थे। संभावित अन्य संपत्तियों का पता लगाने के लिए इंदौर, महू, पीथमपुर और धार के पंजीयन कार्यालयों के साथ संबंधित तहसील कार्यालयों से खसरा खतौनी और राजस्व रिकॉर्ड मांगे गए हैं, वहीं आयकर विभाग और बीमा संस्थानों से भी परिवार के आयकर रिटर्न और बीमा निवेश की जानकारी तलब की गई है।

बैंकों को लिखा पत्र

लोकायुक्त ने कंडवाल और उनके परिवार के बैंक खातों तथा ऋण संबंधी जानकारी जुटाने के लिए विभिन्न बैंकों और लीड बैंक को पत्र भेजे हैं, साथ ही बैंक लॉकरों की जानकारी लेकर उन्हें फ्रीज कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

वाहनों का भी होगा ऑडिट

लोकायुक्त ने परिवहन विभाग से कंडवाल और उनके परिवारद्वारा खरीदे गए वाहनों का ब्योरा मांगा है। इसके अलावा बच्चों की स्कूली और उच्चशिक्षा पर हुए खर्च का भी ऑडिट कराया जाएगा, ताकि आय और व्ययका वास्तविक आंकलन किया जा सके।

विभागीय कार्रवाई की तैयारी

लोकायुक्त ने महिला एवं बाल विकास विभाग को पत्र लिखकर कंडवाल की सेवा संबंधी पूरी जानकारी मांगी है और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने की अनुशंसा भी की है। मामले में जांच लगातार जारी है और आने वाले दिनों में संपत्तियों और निवेश से जुड़े नए खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

हंसदास मठ पर परमा एकादशी के शुभ प्रसंग पर रणछोड़जी-लक्ष्मीजी की 1008 नाम से पुष्पार्चना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्राचीन हंसदास मठ पर पुरुषोत्तम मास की परमा एकादशी के शुभ संयोग पर भगवान रणछोड़जी एवं लक्ष्मीजी की 1008 नाम से पुष्प अर्चना की गई। सुबह से शाम तक सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हंसपीठाधीश्वर श्री महंत रामचरणदास महाराज के मार्गदर्शन में चल रहे 108 श्रीमद भागवत एवं रामायण पारायण के अनुष्ठान में संध्या को नौका विहार का जीवंत उत्सव भी मनाया गया जिसमें रणछोड़जी एवं लक्ष्मीजी की नौका में स्वयं हनुमानजी सारथी बनकर शामिल हुए। उत्सव में मठ में स्थापित अन्य देवी-देवताओं को भी विराजित कर नौका विहार कराया गया।

अग्रसेन महासभा की मेजबानी में 80 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों का अमृत महोत्सव मनेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज की प्रतिष्ठित एवं अग्रणी संस्था श्री अग्रसेन महासभा ने अब एक और अनूठे आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं जिसमें अखिल भारतीय स्तर पर अग्रवाल समाज के 81 वरिष्ठजनों का अमृत महोत्सव मनाया जाएगा। संस्था के साथ उनके अपने परिजन भी उन्हें सम्मानित करेंगे। समाज में वरिष्ठजनों के प्रति उनकी तीन पीढ़ियों द्वारा सम्मान, कृतज्ञता, श्रद्धा और परिवार में आत्मीयता के साथ उनकी जीवन भर की तपस्या को नमन, वन्दन और अभिनन्दन करने के उद्देश्य से संभवत: देश में यह अपने किस्म का पहला आयोजन होगा। सोमवार 15 और मंगलवार 16 जून को राजीव गाँधी चौराहा स्थित सौलारिस-शुभ कारज गार्डन पर यह दिव्य आयोजन सम्पन्न होगा।

अमरनाथ यात्रा के दौरान कांटाफोड़ शिव मंदिर लगाएगा भक्तों के लिए लंगर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नौलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर अमरनाथ यात्रा के दौरान बालटाल में भक्तों के लिए लंगर की व्यवस्था करेगा। यह दूसरा मौका है जब इंदौर से जुड़े मंदिर-ट्रस्ट को श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की ओर से लंगर लगाने की अनुमति प्राप्त हुई है। अब मंदिर की ओर से बालटाल में दो माह तक लंगर सेवा चलाई जाएगी जहाँ देश दुनिया से आने वाले भक्तों को यात्रा मार्ग पर इंदौर के उसल-पोहा, जलेबी, दाल-बाटी, चूरमा सहित मालवा के व्यंजन भी मिलेंगे।

अन्नपूर्णा मंदिर पर परमा एकादशी के उपलक्ष्य में उमड़ा भागवत पूजन करने वाले भक्तों का सैलाब

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अन्नपूर्णा आश्रम ट्रस्ट एवं अन्नपूर्णा मंदिर भक्त मंडल के संयुक्त तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास एवं परमा एकादशी के उपलक्ष्य में चल रहे 108 भागवत पारायण के दिव्य अनुष्ठान में गुरुवार को भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। आश्रम के अधिष्ठाता महामंडलेश्वर स्वामी विश्वैश्वरानंद गिरी महाराज के सानिध्य एवं अचरी पं. कल्याण दत्त शास्त्री के निर्देशन में चल रहे इस आयोजन में गुरुवार को 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने आकर भागवत पारायण कर रहे विद्वानों का सवागत कर भागवतजी का पूजन किया। मंदिर के संचालक स्वामी जयेंद्रानंद गिरी एवं आश्रम के ट्रस्टी श्याम सिंघल ने बताया कि इस अवसर पर आश्रम की गौशाला में गोवंश के लिए भी अनेक तरह के व्यंजन, फल, सब्जी एवं अन्य भोजन परोसे गए।

प्रमोशन की राह देख रहे अफसर कर्मचारियों का इंतजार होगा लंबा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश में वर्ष 2016 से अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति रुकी हुई है। इसे शुरू करने के लिए सरकार ने नए नियम तो बनाए लेकिन ये भी कोर्ट में उलझ गए। हाई कोर्ट जबलपुर में इस पर सुनवाई पूरी हो गई थी और निर्णय सुरक्षित रख लिया गया था। यह जारी होता, इसके पहले ही सुनवाई करने वाले मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा की सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति हो गई। ऐसे में अब पहले नई बेंच गठित होगी और फिर एक बार सुनवाई होगी। इसमें समय लग सकता है, जिसका असर नई भर्तियों पर भी पड़ेगा, क्योंकि जब तक कर्मचारी पदोन्नत नहीं होंगे तब तक नए पद उपलब्ध नहीं होंगे।

पदोन्नति का रास्ता निकालने के लिए सरकार ने सभी पक्षों से विचार-विमर्श कर नए नियम तैयार किए। सामान्य वर्ग के कर्मचारियों ने इस पर आपत्ति उठाते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसकी सुनवाई की। सभी पक्षों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर दिया गया। सरकार की ओर से नए नियम के पक्ष में तर्क रखे गए। सभी को सुनने के बाद 17 फरवरी को निर्णय सुरक्षित रख लिया गया। तब से ही यह लंबित है। जबकि सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट कर चुका है कि सामान्य परिस्थितियों में सुरक्षित रखे गए निर्णय को 90 दिनों से अधिक लंबित नहीं रहना चाहिए। इससे सरकार और कर्मचारियों में उम्मीद जागी थी कि जून के प्रथम सप्ताह में निर्णय सुना दिया जाएगा, लेकिन मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा के सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद पेच फंस गया। राज्य सरकार ने वर्ष 2028 तक ढाई लाख पदों पर भर्ती का लक्ष्य रखा है। 78 हजार से अधिक पदों पर भर्ती हो चुकी है। 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का मामला लंबित होने के कारण 13 प्रतिशत पद रुके हुए हैं। इससे 13-14 हजार नियुक्तियां नहीं हो पाईं। भर्ती प्रक्रिया भी केवल उन पदों के लिए हो रही है, जो नए सृजित किए गए हैं। इसमें भी स्वास्थ्य और ऊर्जा विभाग के पद अधिक हैं। अब मामला उलझने से इन भर्तीयों पर भी असर पड़ेगा।

मई 2016 से ठप हैं पदोन्नतियां - प्रदेश में पदोन्नतियां मई 2016 से रुकी हैं, क्योंकि हाई कोर्ट ने पदोन्नति नियम 2002 को निरस्त कर दिया था। तब से ही पूरी व्यवस्था गड़बड़ाई हुई है। सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उच्च पद का प्रभार तो दिया, लेकिन इससे अधिकारी-कर्मचारियों को कोई वित्तीय लाभ प्राप्त नहीं हुआ।

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 स्वर्णिम वर्षों में हुए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं भारत के बढ़ते वैश्विक गौरव को लेकर सांसद शंकर लालवानी ने स्टेट प्रेस क्लब,मप्र के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, सुशासन, गरीब कल्याण, अधोसंरचना विकास, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल क्रांति तथा सांस्कृतिक एवं सामाजिक उत्थान के विभिन्न आयामों पर सार्थक चर्चा हुई। भेंट के दौरान स्टेट प्रेस क्लब,मप्र एवं अभिनव कला समाज के वरिष्ठजन भी उपस्थित रहे।

स्कूली शिक्षकों के लिए 'अर्ली आइडेंटिफिकेशन' कार्यशाला...

बच्चा 'नहीं कर सकता' और 'नहीं करना चाहता' के बीच फर्क समझें...

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बच्चों में व्यवहारिक, भावनात्मक और सीखने संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान करने के उद्देश्य से क्रिएट स्टोरीज सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें चाइल्ड एंड क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. विनी झारिया ने परिचर्चा की । इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य राजेश शर्मा भी मौजूद थे उन्होंने कहा की इस वर्कशॉप से शुरुआती स्तर पर पहचान या अर्ली आइडेंटिफिकेशन से बच्चों के भविष्य को सुधारा जा सकता है । डॉ विनी झारिया ने कार्यशाला में शिक्षकों से परिचर्चा कर इस विषय पर जानकारी दी ताकि वे बच्चों की

समस्याओं को शुरुआत में ही पहचान कर एक अधिक समावेशी या इंक्लूसिव माहौल तैयार कर सकें । उन्होंने बताया कि कई बार शिक्षक बच्चों की वास्तविक समस्या को समझ नहीं पाते । इसके लिए उन्होंने 'नहीं कर सकता' और 'नहीं करना चाहता' के बीच का बारीक अंतर भी समझाया, जिससे यह साफ हो सके कि बच्चा जानबूझकर शरारत कर रहा है या वह सचमुच किसी मानसिक या न्यूरोलॉजिकल कठिनाई से जूझ रहा है । सत्र के दौरान डॉ. विनी ने कक्षा में बच्चो पर ध्यान देने योग्य कुछ मुख्य ' रेड फ्लैग्स ' (शुरुआती चेतावनी के संकेत) साझा किए, जिन्हें शिक्षकों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

समाज की विकृतियों का मुकाबला सनातन संस्कारों और संस्कृति से ही संभव : जगदगुरु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हमारी सनातन संस्कृति में कुछ भी कपोल कल्पित नहीं बल्कि सबकुछ सच्चा है। हमारे धर्म शास्त्रों में जितने प्रसंग बताए गए हैं, उन सबके प्रमाण आज भी मौजूद हैं। ब्रज की भूमि आज भी भगवान की लीलाओं की साक्षी है जहाँ हजारों वर्ष बाद भी गोपी गीत, महारास और कालिया नाग मर्दन के जीवंत प्रमाण मौजूद हैं। भारतीय समाज सौलह संस्कारों से मर्यादित और अलंकृत है। समाज में जो विकृतियाँ पनप रही हैं उनका मुकाबला संस्कारों और संस्कृति से ही संभव है। भगवान की सभी लीलाओं में प्राणी मात्र के प्रति बिना किसी

पक्षपात के सदभाव और कल्याण का चिंतन होता है। गोवर्धन पूजा राजाधिराज इंद्र के अहंकार को तोड़ने की प्रतीक है। वृन्दावन के जगदगुरु श्री गोपेश्वर चैतन्य महाराज ने गुरुवार को मनोरमागंज स्थित गीता भवन पर मारवाड़ी माहेश्वरी प्रगति मंडल की मेजबानी में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में बाल लीला, गोवर्धन पूजा एवं 56 भोग प्रसंगों की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए।

भारतीय मालवाहक जहाजों पर हमलों के विरोध में पलसीकर चौराहे पर कांग्रेस करेगी अमेरिकी राष्ट्रपति का पुतला दहन करेंगे

विवेक खंडेलवाल, गिरीश जोशी, दीपक छाबड़ा एवं दीपक वानखेड़े के नेतृत्व मै

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्ट्रेट ऑफ हॉरमुज़ क्षेत्र में भारतीय मालवाहक जहाजों पर हुए हमलों तथा भारतीय नागरिकों की मृत्यु की घटनाओं के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पलसीकर चौराहा, इंदौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारतीय जहाजों एवं भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन लगातार हो रहे हमलों और भारतीय नागरिकों की मौत के बावजूद केंद्र की भाजपा सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता गंभीर चिंता का विषय है। सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी हस्तक्षेप करते हुए भारतीय नाविकों और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर भाजपा सरकार का मौन देशवासियों को निराश कर रहा है। कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को जवाबदेह बनाने और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करेगी। उक्त प्रदर्शन विवेक खंडेलवाल, गिरीश जोशी, दीपक छाबड़ा एवं दीपक वानखेड़े के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल होंगे।

स्व. एनएम व्यास की पुण्यतिथि पर हुई पुष्पांजलि सभा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गीता भवन के प्रबंध संचालक रहे ब्रह्मलीन एनएम व्यास की 28वीं पुण्यितिथि पर गुरुवार को सत्संग सभागृह में औरंगाबाद से आए संत ब्रह्मचारी साहेबराव महाराज शास्त्री के सानिध्य में गीता भवन ट्रस्ट की ओर से आदरांजलि सभा का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, कोषाध्यक्ष मनोहर बाहेती, न्यासी मंडल के महेशचंद्र शास्त्री एवं सत्संग समिति के सदस्यों ने स्व. व्यास के सेवा कार्यों का पुण्य स्मरण करते हुए पुष्पांजलि समर्पित की।

अग्रवाल परिषद के निवृतमान अध्यक्ष मनीष खजांची का हुआ सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज की अग्रणी संस्था अग्रवाल परिषद के वर्ष 2025-26 के संचालक मंडल द्वारा परिषद के निवृतमान अध्यक्ष एवं युवा समाजसेवी मनीष-किरण खजांची का सम्मान किया गया। उन्होंने इस अवसर पर सेवायज्ञ निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर परिषद से जुड़े अनिल गोयल, दिलीप अग्रवाल, शिव जिंदल, राजेश नागोरी, राजेंद्र अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मनीष भाया, विशाल बद्रुका, हुकम अग्रवाल, महेश चौधरी एवं अमित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अग्र बंधु सपत्निक उपस्थित थे जिन्होंने खजांची के कार्यकाल में हुए सेवा कार्यों की खुलेमन से सराहना की। अपने सम्मान के प्रत्युत्तर में खजांची ने कहा कि वे समाजसेवा और समाज कल्याण के क्षेत्र में अपने पिताश्री कल्याणमल खजांची की प्रेरणा से आए हैं और उनका संकल्प है कि जरुरतमंदों की सेवा का यह यज्ञ हमेशा चलते रहना चाहिए। खजांची परिवार द्वारा गंगाराम चम्पालाल सहायक ट्रस्ट के माध्यम से पिछली चार पीढ़ियों से समाज की सेवा का महायज्ञ निरंतर जारी है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

पश्चिम एशिया के युद्ध में तटस्थ देशों के जहाजों पर हमले और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी

दुनिया के कई देश पहले ही गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं। जिन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया गया, वे किसी भी रूप में युद्ध का हिस्सा नहीं थे। पश्चिम एशिया में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल के युद्ध की आग की चपेट में अब वैसे देश और लोग भी आने शुरू हो चुके हैं, जो पूरी तरह तटस्थ हैं और वे सिर्फ जरूरी आपूर्ति सुनिश्चित करने की उम्मीद में उस क्षेत्र में मौजूद हैं। कायदे से आम लोगों की जरूरतों के मद्देनजर अपनी ड्यूटी करने वाले अन्य देशों के लोगों को किसी भी पक्ष की ओर से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए, लेकिन हाल में अमेरिका ने इस मामले में जिस स्तर की लापरवाही और मनमानी दिखाई है, उससे यही लगता है कि उसे सामान्य स्थिति के बहाल होने की कोई फिक्र नहीं है। वरना क्या वजह है कि पिछले तीन-चार दिनों के भीतर उसने उस क्षेत्र में मौजूद तीन भारतीय जहाजों को निशाना बनाया। उसे यह समझना क्यों जरूरी नहीं लगा कि वह जिन जहाजों पर हमला कर रहा है, वे वाणिज्यिक हैं और किसी भी रूप में इस युद्ध का हिस्सा नहीं हैं? गौरतलब है कि ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज 'सेट्टेबेलो' पर अमेरिका की ओर से किए गए एक हमले में तीन भारतीय नाविकों की जान चली गई। जहाज पर चौबीस लोग सवार थे, जिनमें से इक्कीस को किसी तरह बचा लिया गया। इससे पहले सोमवार को मारिवेक्स नाम के तेल टैंकर पर भी हमला किया गया था, जिसके बाद भारतीय नाविकों ने मदद के लिए आपात संदेश भेजा था। अब गुरुवार को ओमान के शिनास बंदरगाह के पास एक वाणिज्यिक जहाज एमटी जलवीर पर भी हमला किया गया। हालांकि इन दोनों घटनाओं में सभी नाविकों को बचा लिया गया। सवाल है कि अमेरिका के लिए यह समझना मुश्किल क्यों हो रहा है कि ईरान के साथ जारी उसके युद्ध के क्रम में अगर तटस्थ देशों के वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाया जाता है, तो अन्य मोर्चों पर कैसी जटिल स्थिति खड़ी हो सकती है। दुनिया के कई देश पहले ही गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं। जिन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया गया, वे किसी भी रूप में युद्ध का हिस्सा नहीं थे। मगर बिना किसी मजबूत आधार या उकसावे के अमेरिका ने हमला किया। शायद उसे अब यह सोचने की जरूरत है कि उसके रवैये और जिद का हासिल क्या सामने आ रहा है।

फीफा विश्व कप: जहाँ आँसू भी एक भाषा बन जाते हैं और खुशी भी

कभी-कभी एक सीटी, एक गोल और एक मैदान पूरी दुनिया को एक परिवार बना देते हैं। 11 जून 2026 को एस्टाडियो एज्टेका में मेक्सिको की दक्षिण अफ्रीका पर 2-0 की जीत के साथ केवल विश्व कप नहीं शुरू हुआ, बल्कि फुटबॉल ने अपने इतिहास का सबसे विराट अध्याय खोला। 1970 और 1986 के बाद तीसरी बार उद्घाटन मैच का साक्षी बना एज्टेका अद्वितीय बन गया। तीन देशों की संयुक्त मेजबानी, 48 टीमों की अभूतपूर्व भागीदारी, 104 मुकाबलों और 39 दिनों का यह महाउत्सव खेल से आगे बढ़कर मानवता का साझा उत्सव बन चुका है। यहां हर गोल केवल जाल नहीं हिलाता, बल्कि सरहदों के पार दिलों को भी जोड़ता है। फुटबॉल एक बार फिर साबित कर रहा है कि दुनिया को जीतने की सबसे बड़ी ताकत हथियारों में नहीं, सपनों और भावनाओं में बसती है।

विश्व कप का इतिहास उन आंखों की कहानी है जिनमें असंभव सपने पलते हैं। 1930 में उरुग्वे से शुरू हुई यह यात्रा 2022 में मेस्सी के स्वर्णिम अध्याय तक अनगिनत किंवदंतियां रच चुकी है। ब्राजील का गौरव, जर्मनी का अनुशासन और अर्जेंटीना का जुनून राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक हैं। 2026 का विश्व कप अपने विस्तार और समावेशिता से अलग पहचान बना रहा है। 48 टीमों और 12 समूहों के नए प्रारूप में शीर्ष दो के साथ आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों को भी नॉकआउट का अवसर मिला है। यही इसकी ताकत है। कुराकाओ, उज्बेकिस्तान, जॉर्डन और केप वर्डे का पदार्पण और 52 वर्षों बाद हैती की वापसी बताती है कि फुटबॉल अब केवल शक्तिशाली देशों का मंच नहीं, बल्कि सपनों की मंजिल है।

जब अलग दिशाओं की हवाएं एक लय में बहने लगती हैं, तब विश्व इतिहास नया रूप लेता है। मेक्सिको, कनाडा और अमेरिका ने मिलकर विश्व कप की सबसे बड़ी संयुक्त मेजबानी तैयार की है। मेक्सिको सिटी की ऊंचाई, टोरंटो की ठंडक और लॉस एंजिलिस की चमक के बीच 16 शहर एक साझा उत्सव में जुड़े हैं। यह आयोजन दिखाता है कि खेल सीमाओं से बड़ा होता है। न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में फाइनल पहली बार सुपर बाउल शैली के भव्य हाफटाइम शो के साथ और भी यादगार

बनेगा। यह महाआयोजन खेल और वैश्विक संस्कृति के संगम से जन्मी साझेदारी, आस्था और उम्मीद की गाथा है, जो विभाजन की छाया में डूबी दुनिया में उजाले की किरण बनकर उभरता है। जब खेल मैदान विज्ञान की प्रयोगशाला में बदल जाता है, तब फुटबॉल केवल मुकाबला नहीं, भविष्य का अनुभव बन जाता है। अर्ध-स्वचालित ऑफसाइड तकनीक, खिलाड़ियों के डिजिटल 3-डी अवतार, एआई आधारित विश्लेषण, कनेक्टेड बॉल और हाफटाइम इंटरव्यू जैसी व्यवस्थाएं खेल अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। चार पैनलों वाली ट्रियोन्डा गेंद ने ऊंचाई वाले मैदानों में नई उड़ान और रोमांच पैदा किया है। अब दर्शक सिर्फ खेल नहीं देखते, बल्कि रीयल-टाइम डेटा और विश्लेषण के साथ उसे गहराई से महसूस करते हैं। यह रूप दिखाता है कि परंपरा और नवाचार विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं—जहां खिलाड़ी वर्तमान हैं और तकनीक भविष्य की आहट। इस विश्व कप की असली ताकत उसका विस्तार नहीं, बल्कि उसकी समावेशिता है। अफ्रीका, एशिया और ओशिनिया को अधिक प्रतिनिधित्व मिला है, जिससे यह प्रतियोगिता सचमुच वैश्विक रूप लेती है। नॉर्वे की 28 वर्षों बाद वापसी, स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रिया का लंबे इंतजार का अंत तथा नए देशों का आगमन इसे और जीवंत बनाते हैं। मेजबान देशों के लाखों युवा विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को देखकर प्रेरित हो रहे हैं। किसी युवा का पहला विश्व कप गोल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के सपनों का उत्सव बन जाता है। यही कारण है कि फुटबॉल राष्ट्रवाद से ऊपर उठकर मानवीय एकता का प्रतीक बनता है—एक ऐसा पुल जो भाषा, संस्कृति और सीमाओं की दूरियां मिटा देता है। निश्चित रूप से इस विराट आयोजन के समक्ष अनेक चुनौतियां भी उपस्थित हैं। तीन देशों के बीच लंबी यात्राएं, अलग-अलग समय क्षेत्र, मौसम का अंतर, गर्मी और ऊंचाई खिलाड़ियों की शारीरिक परीक्षा लेते हैं। टिकटों की ऊंची कीमतें और पर्यावरणीय प्रभाव भी चर्चा में हैं। 104 मैचों का विशाल कार्यक्रम खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए असाधारण चुनौती है। फिर भी अवसर अधिक बड़े हैं—आर्थिक गति, पर्यटन विस्तार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवाओं की प्रेरणा इसकी स्थायी विरासत बन सकते हैं। यह विश्व कप याद दिलाता है कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाजों को जोड़ने और भविष्य गढ़ने की शक्ति भी है।

भावनाओं की दृष्टि से 2026 का विश्व कप एक विशाल मानवीय उत्सव बन चुका है। एक ओर पुरानी पीढ़ी के सितारे अपने गौरवपूर्ण अध्याय का समापन कर रहे हैं, वहीं नई प्रतिभाएं विश्व मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं। शाकिरा और बर्ना बॉय जैसे कलाकारों से सजा उद्घाटन समारोह तीन देशों की सांस्कृतिक आत्माओं को एक मंच पर पर लेकर आया। एज्टेका की विरासत, सोफी स्टेडियम की आधुनिकता और बीसी प्लेस की पहचान इस आयोजन को बहुरंगी स्वर देती है। हर स्टेडियम अपनी कहानी कहता है और हर मैच नई संभावना खोलता है। यह विश्व कप रिकॉर्ड ही नहीं, करोड़ों स्मृतियों का स्थायी हिस्सा बन रहा है। 2026 का विश्व कप केवल खेल नहीं, बल्कि मानवता के विश्वास का उत्सव है। 1930 से आज तक की यात्रा बार-बार सिद्ध करती है कि एक गेंद दुनिया को जोड़ने की अद्भुत क्षमता रखती है। तीन देशों की संयुक्त मेजबानी सहयोग, संवाद और साझेदारी की ताकत को भविष्य की दिशा देती है। अंतिम सीटी के साथ जब कोई टीम ट्रॉफी उठाएगी, तब असली जीत उसी भावना की होगी जिसने करोड़ों लोगों को एक साथ जोड़कर हंसने, रोने और सपने देखने का साहस दिया। फुटबॉल फिर साबित करेगा कि वह उम्मीदों को पंख देने, दिलों को जोड़ने और सीमाओं को मिटाने वाला सबसे सुंदर खेल है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत' शिक्षाविद्
बड़वानी (मप्र)

डिजिटल क्रांति या अपराधियों का अभयारण्य? अब जागने और लड़ने का वक्त है!

आज जब देश 'डिजिटल इंडिया' की चकाचौंध में डूबा है , ठीक उसी समय इस चमक के पीछे छिपा एक अंधकारमय तंत्र रोज़ हज़ारों बेकसूर नागरिकों की खून-पसीने की कमाई को निगल रहा है । दुख की बात यह नहीं है कि ठग सक्रिय हैं, बल्कि शर्मनाक यह है कि हर बार शिकार हुए आम आदमी को ही यह कहकर कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है कि— 'तुम सावधान क्यों नहीं थे?'

हम पूछते हैं: आखिर आम आदमी ही कब तक बलि का बकरा बनेगा? सिस्टम अपनी नाकामी का दोष पीड़ितों के सिर मढ़कर कब तक अपनी खाल बचाता रहेगा?

कहाँ सोई है सरकारी मशीनरी और जवाबदेही?

यह कोई मामूली चोरी नहीं, बल्कि हमारे लचर और कमज़ोर सिस्टम के मुंह पर एक तमाचा है ।

● **बैंकिंग तंत्र का खोखलापन:** आम आदमी से 'केवाईसी' के नाम पर सौ दस्तावेज़ मांगने वाले बैंक यह बताएं कि अपराधियों के 'म्यूल अकाउंट्स' (फर्जी खाते) इतनी आसानी से कैसे खुल और चल रहे हैं? रातों-रात लाखों का लेन-देन होने पर भी बैंकों का एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग सॉफ्टवेयर और अलर्ट तंत्र क्यों सोता रहता है? बिना आंतरिक ढिलाई या मिलीभगत के यह मुमकिन नहीं है!

● **टेलीकॉम कंपनियों की खुली छूट:** हर सिम कार्ड के लिए कड़े सत्यापन का दावा करने वाली कंपनियां सिर्फ अपने टारगेट पूरे करने के लिए ब्लैक मार्केट में फर्जी सिमों की बाढ़ कैसे आने दे रही हैं?

● **पुलिस और साइबर सेल की कछुआ चाल:** 'गोल्डन ऑवर' (अपराध के तुरंत बाद का समय) में जहां त्वरित एक्शन की जरूरत होती है, वहां हमारी पुलिस संसाधनों और आधुनिक ट्रेनिंग की कमी का रोना रोती रहती है । जामताड़ा और नूंह जैसे ठगी के गढ़ों की लोकेशन पता होने के बावजूद उन पर ऐसा अचूक प्रहार क्यों नहीं होता कि यह धंधा हमेशा के लिए नेस्तनाबूद हो जाए?

कायरता छोड़ो, बहादुरी से सिस्टम को जवाबदेह बनाओ!

हम इस संस्थागत विफलता को और बर्दाश्त नहीं कर सकते । अब समय सिर्फ 'सावधान रहने' की कायरतापूर्ण सलाह देने का नहीं, बल्कि व्यवस्था की आंखों में आंखें डालकर अपना हक और न्याय छीनने का है । एक सुरक्षित डिजिटल भारत का निर्माण केवल नागरिकों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता; इसके लिए सरकारी महकमों की सीधी जवाबदेही तय करनी होगी ।

हमारी पुरज़ोर मांगें हैं:

1. कठोर दंड और त्वरित न्याय: फर्जी सिम जारी करने वाले वेंडरों और संदिग्ध खातों की अनदेखी करने वाले बैंक कर्मचारियों पर देशद्रोह जैसी कड़ी कार्रवाई हो । पीड़ितों के पैसे की वापसी के लिए महीनों का इंतज़ार खत्म कर एक त्वरित और पारदर्शी समयबद्ध व्यवस्था बने ।

2.**मजबूत और आधुनिक मशीनरी:** सरकार अपराधियों से दो कदम आगे की सोचे । एआई आधारित फ्रॉड डिटेक्शन और रियल-टाइम मॉनिटरिंग को युद्धस्तर पर लागू किया जाए ।

3. **राज्यों का साझा प्रहार:** क्षेत्राधिकार के झमेलों को लांघकर देश की सभी सुरक्षा एजेंसियों को एक कमांड के नीचे आकर इन साइबर डकैतों का खात्मा करना होगा ।

डरना नहीं, लड़ना है!

साइबर ठगों का यह साम्राज्य हमारी तकनीकी अज्ञानता से ज्यादा हमारी सरकार और तंत्र की कमज़ोरी के कारण फल-फूल रहा है । देश के वीरों और सजग नागरिकों! हमें इस डिजिटल अन्याय के खिलाफ आवाज़ बुलंद करनी होगी। सरकार को अपनी कुंभकर्णी नींद से जागना होगा और एक ऐसा अभेद्य डिजिटल किला तैयार करना होगा जहां कोई भी अपराधी घुसने की जुर्रत न कर सके । यह लड़ाई सिर्फ जागरूकता की नहीं, बल्कि हमारे सम्मान, हक और एक जवाबदेह सिस्टम को स्थापित करने की है!

हर्षा नाहर, जागरूक नागरिक

आंचलिक

सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों को मिला रेस्क्यू प्रशिक्षण, सीपीआर से बर्मा ब्रिज तक सीखी तकनीकें

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● मांडव लिंक रोड स्थित होमगार्ड कार्यालय में गुरुवार को सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों के लिए एक दिवसीय आपदा प्रबंधन एवं खोज-बचाव प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों को आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित तथा प्रभावी राहत कार्य करने के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण सत्र के दौरान स्वयंसेवकों को विभिन्न प्रकार की बचाव तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षकों ने बर्मा ब्रिज, पैरलल रोप, मंकी क्रॉलिंग और रेस्क्यू बेस मेकिंग जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का प्रदर्शन किया और उनके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। स्वयंसेवकों ने इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेकर आपदा के समय लोगों को सुरक्षित निकालने के तरीके सीखे। शिविर में प्राथमिक उपचार और सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) की विधि भी विस्तार से सिखाई गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि किसी दुर्घटना या आपात स्थिति में समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार और सीपीआर किसी व्यक्ति की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके अतिरिक्त, घरों में उपलब्ध सामान्य संसाधनों का उपयोग करके अस्थायी स्ट्रेचर और अन्य बचाव उपकरण बनाने के तरीके भी बताए गए।

बचाव कार्यों का जीवंत प्रदर्शन

मास्टर ट्रेनर्स और विभागीय विशेषज्ञों ने प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं के दौरान किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का जीवंत प्रदर्शन किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को यह भी समझाया कि आपदा के समय घबराने के बजाय संयम, त्वरित निर्णय और बेहतर समन्वय के साथ कार्य करना सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण का लक्ष्य स्वयंसेवकों को व्यवहारिक रूप से सक्षम बनाना है।

हाईटेंशन लाइन निर्माण में बाधा पर 9 लोगों पर केस विधवा महिला किसान के मुआवजे को लेकर बढ़ा विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● सिंहस्थ से पहले बिजली अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए बनाई जा रही 132 केवी सनावद आरटीएस-निमाड़खेड़ी विद्युत पारेषण लाइन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। एक ओर एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने निर्माण कार्य में बाधा डालने और अधिकारियों-कर्मचारियों से अभद्रता करने के आरोप में 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं दूसरी ओर प्रभावित विधवा किसान के समर्थन में ग्रामीणों और किसान प्रतिनिधियों ने मुआवजे को लेकर सवाल उठाए हैं। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अनुसार 132 केवी सनावद आरटीएस-निमाड़खेड़ी विद्युत पारेषण लाइन का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। सिंहस्थ के पूर्व इस परियोजना को पूरा किया जाना है। कंपनी के मुताबिक प्रस्तावित 63 टावरों में से 61 टावर स्थापित किए जा चुके हैं। कंपनी का आरोप है कि हाल ही में ग्राम सुलगांव स्थित एक कृषि भूमि पर लाइन से संबंधित गेटरी फाउंडेशन निर्माण कार्य शुरू किया गया था। इसी दौरान कुछ लोग मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न की। अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने तथा काम बंद कराने की कोशिश की गई। इस मामले में धनगांव थाना पुलिस ने 9 लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 221, 132, 127(2) और 189(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार एफआईआर में गोपाल पाटीदार, रामेश्वर गुर्जर, विशाल गुर्जर, कैलाश पाटीदार, जगदीश यादव, उदित नांदिया, सीताराम इंगला, धर्मेंद्र और किशोर पाटीदार को आरोपी बनाया गया है। दूसरी ओर, जिस जमीन पर निर्माण कार्य चल रहा है, उसकी मालिक विधवा किसान तुलसाबाई ने प्रशासन और कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनकी करीब तीन एकड़ कृषि भूमि में पहले से दो हाईटेंशन टावर लगे हुए हैं और अब बिना अनुमति छह और टावर लगाए जा रहे हैं। तुलसाबाई का आरोप है कि उन्हें अब तक किसी प्रकार का उचित मुआवजा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि परिवार का भरण-पोषण कृषि भूमि पर ही निर्भर है और टावरों की संख्या बढ़ने से खेती प्रभावित होगी। क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से इलाके में भारी पुलिस बल और राजस्व अमले की मौजूदगी देखी जा रही है। उनका आरोप है कि प्रभावित किसानों की आपत्तियों और मुआवजे के मुद्दे का संतोषजनक समाधान किए बिना निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है।

रेलवे ब्रिज निर्माण के चलते डायवर्ट सड़क बदहाल, हजारों लोगों की आवाजाही प्रभावित

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के तहत नागदा-गुजरी मार्ग पर बन रहे नए रेलवे ब्रिज के निर्माण कार्य के कारण डायवर्ट किया गया सोनारखेड़ी रोड अब पूरी तरह जर्जर हो चुका है। इस वजह से सैकड़ों गांवों के हजारों लोगों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हो रही है। जानकारी के अनुसार, इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर इस मार्ग पर रेलवे ब्रिज का निर्माण कई महीनों से जारी है। निर्माण कार्य के चलते यातायात को वैकल्पिक मार्ग सोनारखेड़ी रोड की ओर मोड़ा गया था, लेकिन लगातार भारी वाहनों की आवाजाही और मरम्मत की अनदेखी के कारण यह सड़क खस्ताहाल हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं और धूल के गुबार उड़ते रहते हैं, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं, जिनमें कई दोपहिया वाहन चालक घायल हो चुके हैं। रात के समय दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है। यह मार्ग आसपास के सैकड़ों गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ता है। रोजाना हजारों लोग, जिनमें स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र भी शामिल हैं, इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण विद्यार्थियों को समय पर स्कूल पहुंचने में कठिनाई हो रही है, वहीं अभिभावकों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मानसून के आगमन के साथ लोगों की चिंताएं और बढ़ गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश शुरू होते ही सड़क कीचड़ में बदल जाएगी और गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो सकता है।

भाजपा की कामकाजी बैठक में बूथ सशक्तिकरण पर जोर

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● भाजपा जिला कार्यालय में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी की जिला कामकाजी बैठक हुई। इस बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के संभागीय संगठन प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर सिंह रावत, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती, विधायक नीना वर्मा और जिला महामंत्री देवेंद्र सोनोने सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और सुशासन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग को सीधा लाभ मिला है, जिससे भारत की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है।

रावत बोले- संगठन को और सशक्त बनाना है

संभागीय संगठन प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ता और बूथ स्तर पर मजबूत संगठन में निहित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों और अभियान प्रभारियों से विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभु राठौड़, दिलीप पटोंदिया, मनोज सोमानी, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, प्रदेश महामंत्री नरेंद्र राठौड़, जिला महामंत्री राकेश पटेल, जिला उपाध्यक्ष कपिल निनामा सहित जिलेभर के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

ठेकेदार के 4 कर्मचारी जेल भेजे गए, आदिवासी के घर बिना वर्दी दबिश देने पर हुआ था विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● खंडवा जिले स्थित ग्राम कुमठी में आदिवासी परिवार के घर अवैध शराब पकड़ने के लिए दबिश देने का मामला अब तूल पकड़ गया है। पुलिस ने बुधवार को इस घटना में शामिल शराब ठेकेदार के चार कर्मचारियों और आदिवासी समाज के लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके साथ ही, ठेकेदार की टीम के साथ बिना वर्दी के मौके पर गए दो पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ शुरू कर दी गई है, जिन पर निलंबन की गाज गिर सकती है। बोरगांव बुजुर्ग चौकी क्षेत्र के ग्राम कुमठी में सोमवार देर रात यह पूरी घटना हुई थी। शराब ठेकेदार के कुछ कर्मचारी और पुलिसकर्मी अवैध शराब पकड़ने के शक में जगन भील के घर पहुंचे थे।

चूंकि दोनों पुलिसकर्मी बिना वर्दी (सादी वर्दी) में थे, इसलिए परिवार और ग्रामीणों ने उन्हें चोर समझ लिया। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग भी जमा हो गए थे।मारपीट की इस घटना में दोनों ही पक्षों के लोगों को चोटें आई थीं, जिसके बाद पुलिस ने दोनों तरफ के 4-4 लोगों के खिलाफ क्रॉस केस दर्ज किया था।

बुधवार को पुलिस ने एक पक्ष से भागीरथ (पिता जगन), गणेश (पिता कालू), गणेश (पिता जगन), जगन (पिता चवरसिंह) और छोटू (पिता श्रीराम) को जेल भेज दिया। वहीं, देर शाम को ठेकेदार के चार कर्मचारियों (रवि, मोनू सहित अन्य) को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

इस पूरे विवाद में बिना वर्दी के आधी रात को दबिश देने गए पुलिसकर्मियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। घटना में शामिल एएसआई वीरेंद्र बिसेन और कांस्टेबल गौरीशंकर दीक्षित से विभागीय अधिकारियों ने पूछताछ शुरू कर दी है।

दोनों पुलिसकर्मियों से इस लापरवाही का कारण पूछा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों का स्पष्टीकरण और पक्ष जानने के बाद उन पर लाइन अटैच या निलंबन की सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

महिला टी-20 विश्व कप : महिला टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज़ आज से, 12 टीमें बनेंगी हिस्सा

बर्मिंघम (एजेंसी) • महिला टी-20 विश्व कप 2026 का आगाज़ शुक्रवार से होने जा रहा है। भारतीय महिला टीम ने अब तक कभी टी-20 विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है, लेकिन वह इस बार प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच से करेगा। भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीम आईसीसी टी20 महिला विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के पारंपरिक दबदबे को चुनौती दे सकती हैं। इस टूर्नामेंट में 12 टीमें भाग ले रही हैं। इंग्लैंड के पास ऐलिस कैप्सी, टिली कोर्टीन-कोलमैन और फ्रेया कैंप जैसी युवा खिलाड़ी हैं, जबकि श्रीलंका की टीम में विश्मी गुणरत्ने, इमेशा दुलानी, कविशा दिलहारी और काव्या कविंदी जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर 25 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय सर्किट की सबसे युवा कप्तानों में से एक हैं। उनकी 2020-21 सत्र के दौरान अवसास और आत्महत्या के विचारों से उबरने की उनकी कहानी भी बहुत प्रेरणादायक है। टी-20 वर्ल्ड कप की मजबूत दावेदार भारत की टीम में एन श्री चरणी, यस्तिका भाटिया और नंदनी शर्मा जैसी युवा खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब भी खिताब जीतने के लिए अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रही है, लेकिन उनकी टीम में बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी लूसी हैमिल्टन के रूप में दो बेहतरीन युवा स्टार भी हैं। लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम को कायला रेनेके और एनेरी डर्कसेन जैसे नए खिलाड़ियों की पीढ़ी आगे बढ़ रही है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल और डैन वैन नीकर्क को संन्यास से वापस बुलाया गया है।

आज इंग्लैंड-श्रीलंका के मुकाबले से शुरुआत

आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला मुकाबला इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच शुक्रवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला भारतीय समय अनुसार रात 11:00 बजे से शुरू होगा। गौरतलब है कि इन दोनों टीमों के बीच आखिरी टी-20 इंटरनेशनल साल 2023 में खेला गया था, जहां डर्बी के मैदान पर श्रीलंका ने सिर्फ 17 ओवर में 117 रनों का लक्ष्य हासिल करके इंग्लैंड की महिला टीम को सात विकेट से धूल चटाई थी। इस मुकाबले में चमारी अट्टापट्टू ने 28 गेंदों पर 44 रन ठोके थे और चार ओवर में 21 रन देकर इंग्लैंड के चार विकेट भी झटके थे। आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां टी-20 इंटरनेशनल में टॉस जीतने वाली टीम रन डिफेंड करना काफी ज्यादा पसंद करती है।

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

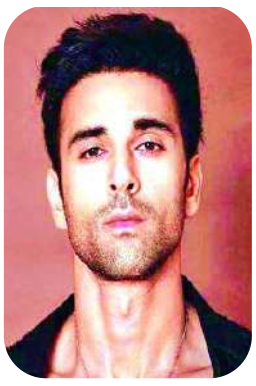

मुंबई (एजेंसी) •अभिनेता पुलकित सम्राट ने टिप्स फिल्म के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इस फिल्म के अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है। अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज़ में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है। हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज ग्लोरी में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है।

टी20 विश्वकप से 60 गुना अधिक है फीफा विश्वकप की इनामी राशि

सेन डियागो(एजेंसी) • अमेरिकि, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से हो रहे टी20 विश्कवकप में पिछले बार से भी अधिक इनामी राशि मिलेगी। वहीं अगर टी20 क्रिकेट विश्वकप से तुलना की जाये तो फीफा विश्व की इनामी राशि 60 गुना अधिक है। इस प्रकार देखा जाये तो क्रिकेट और फुटबॉल जैसे दो सबसे लोकप्रिय खेलों के विश्वक कप की इनामी राशि में भारी अंतर है। जिससे सभी हैरान हैं। फीफा विश्व कप 2026 में इस बार कुल 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट से पहले ही फीफा ने इस साल की इनामी राशि घोषित कर दी है। जिसमें पिछली बार के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़त हुई है। पिछली बार 2022 में फीफा वर्ल्ड प अर्जेंटीना ने खिताब जीता था, और उस समय कुल इनामी राशि 440 मिलियन डॉलर थी। वहीं साल 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 655 मिलियन डॉलर (लगभग 6241 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है।

अब अगर इस विशाल राशि की तुलना हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप 2026 से करें, तो यह अंतर और भी हैरान करने वाला हो जाता है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने भारत में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 जीतकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता था। ऐसे में उसे कुल प्राइज मनी 11.25 मिलियन डॉलर में से विजेता के तौर पर 2.63 मिलियन डॉलर (लगभग 24.28 करोड़ रुपये) मिले थे। वहीं फीफा विश्व कप 2026 की कुल प्राइज मनी टी20 वर्ल्ड कप की तुलना में 60 गुना अधिक है। इतना ही नहीं, फीफा विश्व कप में 33वें से 48वें स्थान पर रहने वाली टीमों को भी 9-9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) का इनाम मिलेगा, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता टीम इंडिया को मिली राशि से तीन गुना से भी ज्यादा है। और अगर हम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन की इनामी राशि देखें, तो विजेता टीम को 50 मिलियन डॉलर (लगभग 476 करोड़ रुपये) मिलेंगे। ये टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम की राशि से 19 गुना अधिक है। उप-विजेता टीम को भी 33 मिलियन डॉलर यानी 314 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। वहीं तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर (लगभग 276 करोड़ रुपये) मिलेंगे। चौथे स्थान पर 27 मिलियन डॉलर (लगभग 257 करोड़ रुपये) जबकि 5वें से 8वें स्थान तक: 19 मिलियन डॉलर (लगभग 181 करोड़ रुपये)। 9वें से 16वें स्थान तक: 15 मिलियन डॉलर (लगभग 143 करोड़ रुपये)। 17वें से 32वें स्थान तक: 11 मिलियन डॉलर (लगभग 105 करोड़ रुपये) और 33वें से 48वें स्थान तक: 9 मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) दिये जाएंगे।

कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अलग छाप छोडी है अमृता राव ने

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री अमृता राव को फिल्म 'विवाह' में निभाए गए 'पूनम' के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। अमृता राव उन अभिनेत्रियों में शुमार हो गई है जिन्होंने कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अपनी अलग छाप छोड़ी है। 7 जून 1981 को मुंबई में जन्मीं अमृता राव का पालन-पोषण एक पारंपरिक कोंकणी परिवार में हुआ। शुरुआती शिक्षा मुंबई के अंधेरी स्थित एक स्कूल से पूरी करने के बाद उन्होंने सोफिया कॉलेज में साइकोलॉजी विषय से ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की। हालांकि मॉडलिंग की दुनिया उन्हें अपनी ओर खींच रही थी। इसी वजह से उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़कर मॉडलिंग में करियर बनाने का फैसला किया। शुरुआत में अमृता कई विज्ञापनों में नजर आईं। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ी और उन्हें म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और सहजता लोगों को पसंद आने लगी। इसी दौरान फिल्म निर्माताओं की नजर भी उन पर पड़ी और उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे खुल गए।

उज्जैन संभाग

पति-पत्नी और 'वो' का हाई-वोल्टेज ड्रामा, महिला मित्र के साथ देखते ही पत्नी, साली और ससुर ने दामाद को पीटा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •पति से अलग रह रही पत्नी, साली और ससुर ने दामाद और उसकी महिला मित्र की भीड़भाड़ वाले बाजार में जमकर पिटाई कर दी। पति, पत्नी और 'वो' का तमाशा देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें पति के साथ एक रेस्टोरेंट में नाश्ता करने पहुंची महिला सहकर्मी और पति की पिटाई न सिर्फ पत्नी, बल्कि साली द्वारा भी किए जाने का दावा किया जा रहा है। घटना बुधवार शाम की बताई जा रही है। शहर के कोयला फाटक क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत मधुर तिवारी अपनी महिला सहकर्मी के साथ एक रेस्टोरेंट में गए थे। इसी दौरान मधुर की पत्नी वंदना, साली अतिप्रिया और ससुर समेत तीन अन्य लोग वहां पहुंच गए। वंदना का आरोप है कि उसके पति के उक्त महिला कर्मचारी से अवैध संबंध हैं। वह कई दिनों से दोनों पर नजर रख रही थी। बुधवार को दोनों के साथ मिलने पर उसने हंगामा कर दिया और मारपीट शुरू हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पत्नी वंदना, साली अतिप्रिया, ससुर सहित अन्य लोग महिला और मधुर तिवारी के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान मधुर खुद को बचाने की कोशिश करता दिखाई देता है, लेकिन गुस्साए परिजन उस पर और उसकी महिला मित्र पर हमला करते नजर आते हैं।

लहसुन 12,450 रुपए प्रति क्विंटल बिका, प्याज की तेज आवक

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर • कृषि उपज मंडी में गुरुवार को कुल 12,995 क्विंटल कई कृषि जिंसों की आवक दर्ज की गई। इस दौरान लहसुन को 12,450 रुपए प्रति क्विंटल का उच्चतम भाव मिला, जबकि प्याज की आवक सर्वाधिक रही। मंडी से मिली जानकारी के अनुसार, सब्जी मंडी में लहसुन की 1,446 क्विंटल आवक हुई। इसका अधिकतम भाव 12,450 रुपए प्रति क्विंटल रहा, जबकि औसत भाव 8,000 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया। प्याज की आवक सर्वाधिक 6,243 क्विंटल रही। इसके भाव 400 से 1,400 रुपए प्रति क्विंटल के बीच रहे, और औसत भाव 500 रुपए प्रति क्विंटल रहा। सोयाबीन की 2,130 क्विंटल आवक हुई। इसका न्यूनतम भाव 2,500 रुपए, अधिकतम 8,675 रुपए और औसत भाव 7,150 रुपए प्रति क्विंटल रहा। गेहूं की 3,143 क्विंटल आवक दर्ज की गई। इसे 2,000 रुपए से 2,735 रुपए प्रति क्विंटल के भाव मिले। डॉलर चना की 13 क्विंटल आवक पर अधिकतम 5,915 रुपए प्रति क्विंटल का भाव मिला। वहीं, देसी चना की 8 क्विंटल आवक पर अधिकतम 5,545 रुपए प्रति क्विंटल और बटला की 12 क्विंटल आवक पर अधिकतम 2,925 रुपए प्रति क्विंटल का भाव दर्ज किया गया।

हरिफाटक ब्रिज के नीचे अवैध कारोबार पर कार्रवाई, निगम का कबाड़ बेचते पकड़े गए कर्मचारी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •हरिफाटक ब्रिज के नीचे संचालित एक दुकान पर नगर निगम का कबाड़ बेचने और अवैध रूप से मुर्गी का व्यापार करने के मामले में कार्रवाई की गई है। अवैध रूप से चल रही मांस की दुकान हटाई गई है। वहीं, नगर निगम का कचरा बेचने वाले निगमकर्मी और उसे खरीदने वाले कबाड़ व्यापारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। सिंहस्थ को देखते हुए उज्जैन में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विभिन्न मार्गों के चौड़ीकरण सहित कई विकास कार्य निर्माणाधीन हैं। नगर निगम उपायुक्त संजेश गुप्ता ने बताया कि सुबह हरिफाटक विकास कार्य के अंतर्गत ब्रिज के नीचे बारह खोली क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक-29 में हरिफाटक ब्रिज के नीचे मुज्जफर खान और सलमान अवैध रूप से मुर्गी बेचते और कबाड़ का व्यवसाय करते पाए गए। इस दौरान वहां कबाड़ बेचने के लिए खड़े वाहन की जांच की गई, जिसमें नगर निगम का कबाड़ मिला। मौके पर आउटसोर्स एजेंसी के अंतर्गत कार्यरत ड्राइवर और हेल्पर भी मौजूद मिले। इसके बाद जेसीबी की मदद से अतिक्रमण हटाया गया। साथ ही अवैध रूप से कबाड़ बेचने वाले दोनों आउटसोर्स कर्मचारियों और दुकान संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू की गई। जिस वाहन से कबाड़ लाया गया था, उसे भी तत्काल जब्त करने की कार्रवाई की गई।

महाकाल की सवारी के हाथी का ब्लड-टेस्ट रोका, स्वास्थ्य जांच टीम का कर रहे विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • भगवान महाकाल की सवारी में शामिल होने वाले हाथी श्यामू को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया। पिछले करीब नौ माह से श्यामू के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं और उसका इलाज विशेषज्ञों की निगरानी में चल रहा है। गुरुवार को पन्ना टाइगर रिजर्व, इंदौर और उज्जैन की संयुक्त टीम हाथी का स्वास्थ्य परीक्षण करने और ब्लड सैंपल लेने पहुंची, लेकिन हाथी के मालिक और परिजनों ने इसका विरोध कर दिया। विवाद बढ़ने के बाद टीम बिना ब्लड सैंपल लिए लौट गई और केवल मल-मूत्र के नमूने लेकर जांच करने का निर्णय लिया। इंदौर रोड स्थित साईनाथ कॉलोनी में पहुंची टीम में इंदौर चिड़ियाघर प्रभारी उत्तम यादव, उज्जैन के पशु चिकित्सक डॉ. मुकेश जैन और पन्ना टाइगर रिजर्व के डॉ. संजय गुप्ता शामिल थे। मौके पर हाथी श्यामू जंजीरों से बंधा हुआ मिला। टीम ने स्वास्थ्य जांच के लिए इंजेक्शन लगाकर खून का नमूना लेने की कोशिश की, लेकिन हाथी के मालिक सरमन गिरी और उनके परिवार ने इसका विरोध करते हुए टीम को सैंपल नहीं लेने दिया। काफी देर तक बहस और गहमागहमी चलती रही। आखिरकार टीम ने केवल मल और मूत्र के नमूने लेकर जांच कराने का फैसला किया।

पशु चिकित्सक डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि हाथी श्यामू वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत शेड्यूल-1 श्रेणी का वन्यजीव है। टीम नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पहुंची थी। उन्होंने बताया कि हाथी के पैरों में गंभीर समस्या है और उसके पैर मुड़ने लगे हैं। ऐसी स्थिति में वह चलते-चलते कभी भी गिर सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि बीमारी की सही स्थिति जानने के लिए ब्लड टेस्ट जरूरी था, लेकिन विरोध के कारण यह नहीं हो सका।

चौड़ीकरण में 150 साल पुराना मंदिर क्षतिग्रस्त, भैरू महाराज मंदिर का हिस्सा टूटा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ की तैयारियों के तहत चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान गुरुवार देर शाम सराफा चौराहा स्थित 150 वर्ष पुराना भैरू महाराज मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया। कंठाल से सती गेट तक सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा था, तभी पोकलेन मशीन की चपेट में आने से मंदिर का गुम्बद, दीवार और ऊपरी हिस्सा टूट गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय व्यापारी और क्षेत्रवासी मौके पर पहुंच गए। लोगों ने इस घटना को नगर निगम की लापरवाही बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों और पोकलेन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। स्थानीय लोगों के अनुसार, भैरू महाराज का यह मंदिर करीब 150 वर्ष पुराना है और कई पीढ़ियों से क्षेत्र की आस्था का केंद्र रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि चौड़ीकरण कार्य से पहले प्रशासन को मंदिर के स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए थी।

बदनावर-उज्जैन फोरलेन से जल निकासी बंद, गलत डिजाइन से खेतों में बाढ़ जैसे हालात

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर • बदनावर-उज्जैन फोरलेन निर्माण के कारण जल निकासी और आवागमन की समस्या से जूझ रहे बामनसुता, छोटा कठोडिया, पालीबड़ौदा और जावरिया गांवों के ग्रामीणों ने एसडीएम प्रियंका मिमरोट को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने समस्याओं का जल्द समाधान न होने पर 10 दिनों के भीतर सामूहिक आमरण अनशन और उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

समयसीमा बीतने के बाद भी काम अधूरा

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण की वजह से क्षेत्र का मुख्य संपर्क मार्ग और पानी निकासी के रास्ते पूरी तरह बंद हो गए हैं। कलेक्टर की ग्राम सभा के निर्णय के अनुसार, अप्रैल 2026 तक अंडरपास और जल निकासी का काम पूरा किया जाना था। हालांकि, यह तय समयसीमा बीत जाने के बाद भी धरातल पर कोई ठोस काम शुरू नहीं हो सका है।

गलत तकनीकी डिजाइन से खेतों में बाढ़ जैसे हालात

ज्ञापन के मुताबिक, पानी निकासी के लिए बनाए गए करीब 16 फीट चौड़े दो बॉक्स तकनीकी रूप से सही नहीं हैं। चौड़ाई ज्यादा होने के कारण बारिश का पानी तेज रफ्तार से बहकर आसपास के खेतों में फैल जाता है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है। किसानों का आरोप है कि इससे उनकी बोई गई फसलें, बीज और कृषि भूमि खराब हो रही है।

अंडरपास निर्माण और पानी का रुख मोड़ने की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्वीकृत अंडरपास का निर्माण कार्य तुरंत शुरू कराया जाए, ताकि लोगों का आना-जाना आसान हो सके। इसके साथ ही जल निकासी के बॉक्सों के डिजाइन में सुधार किया जाए और पानी के बहाव को पुराने ढर्रे पर तालाबों और सरकारी नालों की तरफ मोड़ा जाए ताकि किसानों की जमीन सुरक्षित रहे।

नई व्यवस्था : विधायकों और जिला अध्यक्षों की मांग पर हुआ निर्णय

तबादलों में प्रभारी मंत्रियों पर संगठन की लगाम, कोर ग्रुप फाइनल करेगा नाम

राजधानी में मंत्रियों के निवास पर होगी जिलों की कोर ग्रुप बैठक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • जिलों में होने वाले तबादलों पर मंत्री या उनका स्टाफ अंतिम फैसला नहीं ले सकेगा। प्रदेश संगठन ने जिलों के भीतर होने वाले तबादलों पर कोर ग्रुप की बैठक में तय नामों को ही फाइनल करने को कहा है। इसके बाद अब प्रभारी मंत्री अपने जिलों के कोर ग्रुप की बैठकें अपने निवास पर बुला रहे हैं और इसके बाद ही सूची का अंतिम रूप दिया जाएगा। संगठन ने यह कदम विधायकों और जिला अध्यक्षों की डिमांड के बाद उठाया है।

गौरतलब है कि सरकार ने तबादलों की समय सीमा 15 जून तक तय की है। प्रदेश के अलावा जिलों में भी बड़ी संख्या में तबादले होने हैं। इन तबादलों का अधिकार प्रभारी मंत्रियों को दिया गया है। सूत्रों की माने तो विधायकों ने अपने विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में तबादलों की सिफारिशें प्रभारी मंत्री को भेजी हैं। इसके अलावा के जिले के संगठन नेताओं ने भी कार्यकर्ताओं से जुड़े परिजनों के तबादलों की सिफारिश की है। संगठन से कई विधायकों समेत जिलों के नेताओं ने शिकायत की थी कि जिलों के भीतर होने वाले तबादलों में कई बार उनके अनुमोदन को दरकिनार कर मंत्री स्टाफ अपने चाहने वालों के नाम जोड़ देता है और जिलों से भेजे जाने वाले नामों को उतनी वरीयता नहीं दी जाती। इसके

अलावा जिलों के नेताओं का यह भी कहना था कि कई बार मंत्री संगठन नेताओं को महत्व न देते हुए अपने चहेते कार्यकर्ताओं को तबादलों के माध्यम से उपकृत कर देते हैं।

संगठन ने इस बार नई व्यवस्था दी है। इसमें तय किया गया है कि जिलों के भीतर होने वाले तबादलों से पहले मंत्री जिलों के कोर ग्रुप की बैठक आयोजित करें और तबादला सूची पर उनकी राय लें। कोर ग्रुप जिस सूची को फाइनल करेगा। वहीं जिलों में जारी होगी। इसमें विधायकों की राय को वरीयता दी जाएगी। जिलों के कोर ग्रुप में सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष समेत वरिष्ठ नेता सदस्य होते हैं। अब इनकी राय ही तबादलों में अहम होगी।

आधा दर्जन मंत्रियों ने ली कोर ग्रुप की बैठक–जानकारी के मुताबिक संगठन के निर्देश पर मंत्री अपने निवास पर जिले के विधायक और कोर ग्रुप के अन्य सदस्यों की बैठकें ले रहे हैं। जिलों ये आए तबादला आवेदनों पर उनकी राय ले रहे हैं। अब तक आधा दर्जन से अधिक मंत्री बैठक ले चुके हैं। बैठकों का यह सिलसिला 13 जून तक चलेगा। अधिकांश वरिष्ठ मंत्रियों ने अपने स्टाफ को भी ताकीद कर दिया है कि वे अपनी तरफ से न कोई नाम जोड़े और न काटें। कोर कमेटी की ओर से आए नामों को ही फाइनल करें।

मंत्री स्टाफ को लेकर भी शिकायतें

तबादलों का मौसम शुरू होते ही संगठन के पास मंत्रियों के यहां पदस्थ कर्मचारियों को लेकर भी शिकायतें आ रही हैं। इसमे मंत्री स्टाफ पर जिले के नेताओं को महत्व न देने की बात कही जा रही है। कुछ मंत्रियों को लेकर यह भी शिकायत की गई है कि सरकार और संगठन के निर्देश के बाद भी उनके यहां वह कर्मचारी पदस्थ हैं जो सालों से किसी न किसी मंत्री के यहां रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्व में सरकार और संगठन ने निर्देश दिए थे कि उन कर्मचारियों को मंत्री स्टाफ में न रखा जाए जो पहले मंत्रियों के यहां पदस्थ रह चुके हैं। इस आदेश के बाद कई कर्मचारियों को हटाया भी गया पर कई मंत्री कुछ समय बाद अपने चहेते कर्मचारियों को अपने यहां पदस्थ कराने में सफल हो गए। कुछ मंत्रियों के यहां यही पुराने कर्मचारी तबादले का पूरा काम देख रहे हैं।

अब सुबह 6 से शाम 7 बजे तक ही होगा शहर में जल वितरण

रात में टैंकरों से पानी की सप्लाई पर नगर निगम ने लगाया ब्रेक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • प्रदेश की आर्थिक राजधानी इन दिनों पानी के सबसे बड़े संकटों में से एक का सामना कर रही है। हालात ऐसे हैं कि शहर के हजारों परिवारों तक पानी पहुंचाने के लिए करीब 750 टैंकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इसके बावजूद कई इलाकों में लोग पानी के लिए शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। जल संकट की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नगर निगम को अपने संसाधनों के साथ निजी एजेंसियों के टैंकर भी मैदान में उतारने पड़े हैं।

नगर निगम ने शुरुआत में अपने लगभग 350 ट्रैक्टर-टैंकर और बड़े टैंकर पानी वितरण के लिए लगाए थे। जैसे-जैसे मांग बढ़ती गई, निजी एजेंसियों को भी जोड़ा गया। वर्तमान में शहर के अलग-अलग वार्डों में करीब 750 टैंकर प्रतिदिन पानी पहुंचाने का काम कर रहे हैं, जो हाल के वर्षों में सबसे बड़ा टैंकर वितरण अभियान माना जा रहा है।

हाइड्रेट बंद, टंकियों पर बढ़ा दबाव

स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना रहा है शहर के कई हाइड्रेट का बंद होना। अधिकारियों के मुताबिक अनेक स्थानों पर पानी के स्रोत सीमित होने के कारण अब टैंकरों को सीधे टंकियों से भरकर भेजा जा रहा है। इससे वितरण प्रक्रिया में अतिरिक्त समय लग रहा है और कुछ क्षेत्रों में सप्लाई प्रभावित हो रही है। नगर निगम कंट्रोल रूम और जोन कार्यालयों में पानी नहीं मिलने, कम दबाव से सप्लाई होने और टैंकर देर से पहुंचने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। इन शिकायतों के समाधान के लिए जोनल अधिकारियों को मौके पर भेजा जा रहा है और संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष निगरानी की जा रही है।

पानी माफिया पर कार्रवाई के बाद बदली व्यवस्था–जल संकट के बीच पानी की कालाबाजारी का मामला भी सामने आया। निगम अधिकारियों के अनुसार कुछ टैंकर, जो रात की शिफ्ट में रहवासी क्षेत्रों को पानी पहुंचाने के लिए लगाए गए थे, वे होटलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पानी बेचते पाए गए। शिकायतों और जांच के बाद संबंधित एजेंसियों पर जुर्माना लगाया गया, जबकि कुछ अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई।

मानसून का इंतजार, टैंकरों के भरोसे शहर

जल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो आने वाले दिनों में पानी की मांग और बढ़ सकती है। फिलहाल शहर की बड़ी आबादी की प्यास टैंकरों के भरोसे ही बुझाई जा रही है। ऐसे में 750 टैंकरों का यह अभियान केवल आपूर्ति का साधन नहीं, बल्कि इंदौर की जल व्यवस्था की मौजूदा चुनौती की तस्वीर भी बन गया है। एक तरफ सड़कों पर दौड़ते 750 टैंकर, दूसरी तरफ पानी के लिए इंतजार करते रहवासी-यह दृश्य बता रहा है कि इंदौर में इस समय पानी सिर्फ जरूरत नहीं, सबसे बड़ी चिंता बन चुका है।

लाड़ली बहना योजना की 37वीं किश्त, एक लाख नाम कटे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश की लाड़ली बहना योजना की 37वीं किस्त जल्द आने वाली है। वहीं इस बार लगभग एक लाख महिलाओं को बड़ा झटका लगा है। सरकार ने इन महिलाओं के नाम लाभार्थी सूची से हटा दिए हैं। लाड़ली बहना योजना की 37वीं किस्त कभी भी जारी हो सकती है। किस्त आने से पहले ही एक लाख महिलाओं के नाम लाभार्थी सूची से हटा दिए गए हैं। नाम हटने की बड़ी वजह ई-केवाईसी का पूरा न होना और समग्र आईडी का डिलीट होना है। पात्रता पूरी न करने वाली महिलाओं को भी योजना से बाहर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हर महीने की 10 से 15 तारीख के बीच इस योजना का पैसा जारी करते हैं।

लाड़ली बहना योजना का लाभ ले रही मध्यप्रदेश की महिलाओं के लिए एक बड़ी खबर आई है। योजना की 37वीं किस्त कभी भी जारी की जा सकती है। वहीं इस बार लगभग एक लाख महिलाओं को बड़ा झटका लगा है। सरकार ने इन महिलाओं के नाम लाभार्थी सूची से हटा दिए हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि अब इनके बैंक खाते में योजना का पैसा नहीं आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हर महीने की 10 से 15 तारीख के बीच लाड़ली बहनों के खाते में पैसे ट्रांसफर करते हैं। इससे पहले सीएम मोहन यादव ने योजना की 36वीं किस्त 13 मई को जारी की थी।

इन महिलाओं के नाम भी सूची से हटे–सरकार ने काफी समय पहले से ही सभी लाभार्थियों से अपने दस्तावेजों को अपडेट करने के लिए कहा था। प्रशासन का साफ कहना है कि योजना का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जो सभी नियमों पर खरी उतरेंगी।

अधूरा ई-केवाईसी–जिन महिलाओं ने अपनी समग्र आईडी और बैंक खाते की जानकारी को आपस में लिंक या अपडेट नहीं कराया है।

समग्र आईडी डिलीट होना–कई महिलाओं की समग्र आईडी बिना किसी कारण के डिलीट हो गई है।

ई-केवाईसी ने फंसा दिया पेंच

मध्यप्रदेश की हजारों महिलाओं को इस बार 37वीं किस्त का फायदा नहीं मिल पाएगा। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह ई-केवाईसी सत्यापन प्रक्रिया है। जानकारी के अनुसार सतना जिले से एक ऐसा ही ताजा मामला सामने आया था। यहां बिना किसी वजह के बड़ी संख्या में महिलाओं की समग्र आईडी ही डिलीट कर दी गई। ये वो महिलाएं थीं जो पहले से पूरी तरह से सत्यापित थीं और लगातार योजना का लाभ ले रही थीं। समग्र आईडी डिलीट होने के कारण वे सीधे तौर पर योजना से बाहर हो गईं।

इंदौर। ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में प्रदेश के राजनीतिक दिग्गजों की गुफ्तगु

देहाती इलाके रंगवासा में शराब ठेकेदार के हौसले बुलंद

गांव-गांव में खुले शराब के मयखाने, आबकारी और पुलिस गायब

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

क्षेत्र में आबकारी नियमों को ठेंगा दिखाकर ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। आरोप है कि रंगवासा शराब दुकान का ठेकेदार संतोष मालवीय मुख्य मार्गों, ढाबों और गुमटियों पर खुलेआम अवैध शराब बिकवा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, ठेकेदार द्वारा 'कच्ची डायरियों' के दम पर गांव-गांव में अवैध शराब बेचने के ठेके बांटे गए हैं।

क्षेत्र के अगराड़ी, अटावादा, नेवरी, पिपलोदा, दौलताफाटा और गिट्टी खदान सहित दर्जनों गांवों में अवैध मिनी शराब दुकानें खुल चुकी हैं। जब ठेकेदार पक्ष से बात की गई तो उनका तर्क था कि हमने भी सरकार को पैसा दिया है। जनता का सवाल है कि क्या लाइसेंस की आड़ में किराना दुकान की तरह शराब बेचने की छूट मिली हुई है?

इस मामले में स्थानीय पुलिस और आबकारी विभाग की भूमिका संदिग्ध है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार का मैनेजर रोहित जायसवाल सहित तीन चार गुर्गे रोजाना चार पहिया वाहन से गांव-गांव शराब सप्लाई करता है, लेकिन जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे हैं। शिकायत होने पर आबकारी टीम महज 10-15 क्वार्टर की जब्ती दिखाकर खानापूर्ति कर लेती है। सवाल यह है कि जब अड्डों पर हर ब्रांड की शराब है, तो सिर्फ प्लेन-मसाला दारू का ही केस क्यों बनाया जाता है। ऐसे में सवाल यह भी है क्या पुलिस और आबकारी विभाग के खुफिया तंत्र काम नहीं कर रहे या इनकी जानकारी में है किन्तु ठेकेदार के लिफाफे का वजन ज्यादा होने से कार्यवाही से बच रहा है।

सूत्र बताते हैं कि शराब ठेकेदार के पास आसपास के क्षेत्र से भी अवैध शराब बिक्री के लिए आती है ठेकेदार और मैनेजर मिलकर शराब को ठिकाने लगाने का काम करते हैं सूत्रों ने यह भी बताया कि रंगवासा में पीथमपुर और धार का माल बिना होलोग्राम का पहुंच रहा है जिसको लेकर कहीं बार शिकायतें भी हुई लेकिन कार्यवाही नहीं की गई ठेकेदार के लगातार हौसले बुलंद होते जा रहे हैं इतना ही नहीं खुलेआम मेन रोड पर बने ढाबों पर शराब परोसी जा रही है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और पुलिस विभाग कुंभकरण की नींद सोए हैं।

शराब ठेकेदार संतोष मालवीय ने थाने से लेकर उच्च अधिकारियों तक सेटिंग जमा रखी है जहां न चले नेतागिरी वाह चले लिफाफे का दम सूत्रों की माने तो हर महीने के लिफाफे शराब ठेकेदार ने फिक्स कर रखे हैं इसलिए भी जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने से बचते नजर आ रहे हैं क्या एक शराब ठेकेदार सब पर भारी नजर आ रहा है आखिर क्यो रंगवासा शराब ठेकेदार पर करवाई नहीं हो रही क्यों आबकारी विभाग अपनी जिम्मेदारियां से भागता नजर आ रहा है।

मैं पांच दिन से क्षेत्र में नहीं आया हूँ क्योंकि मेरी गाड़ी खराब हो गई थी। कल आकर कार्रवाई करूँगा
*- **भगवानदास अहरवार,***
एरिया इंचार्ज, आबकारी विभाग

बस हादसे में केंद्रीय मंत्री राजनाथ के रिश्तेदार की मौत, शव दिल्ली भेजा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर में सड़क हादसे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के रिश्तेदार की मौत हो गई। एक्सीडेंट शिप्रा थाना इलाके में गुरुवार रात करीब 11 बजे हुआ। शुक्रवार सुबह शव को एयरलिफ्ट कर दिल्ली भेज दिया गया है। अंतिम संस्कार बलिया में होगा। मृतक की पहचान प्रशांत सिंह (29) के रूप में हुई है। वे उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में रेवती, गाय घाट के रहने वाले थे। उनके पिता प्रदीप सिंह, रिश्ते में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के भाई लगते हैं। प्रशांत तीन परिचितों के साथ किसी काम से देवास आए थे। शिप्रा के पास किसी काम से गाड़ी रोकी। जब वापस कार में बैठने लगे, इसी दौरान तेज रफ्तार बस ने उन्हें टक्कर मार दी।

शेंडगे ने दिया नोटिस का जवाब, दिघे के घर हमले के भी वीडियो जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर विधानसभा चार की विधायक मालिनी गौड़ के करीबी बीजेपी नेता वीरेंद्र शेंडगे ने पार्टी को नोटिस का जवाब दे दिया है। वहीं संघ पदाधिकारियों पर शेंडगे और उनके समर्थको द्वारा मारपीट के वीडियो के जवाब में दिघे पर हमले के वीडियो जारी हुए हैं। गुरुवार को इस मामले में संघ पदाधिकारियों के परिवार से हमले का वीडियो सामने आ गया। यह वीडियो पुलिस को जांच के लिए दिए गए हैं। यह वीडियो फरियादी महिला के देवर के कार के डैश बोर्ड के हैं। इसमें शेंडगे व उनके समर्थक मारपीट कर रहे हैं। इसके बाद फिर इनकी गिरफ्तारी की मांग उठने लगी है।

शानू दिघे पर हमले के भी वीडियो जारी - वहीं शनिवार रात के वीडियो आने के बाद इसके

काउंटर अटैक में वीडियो जारी हुए हैं। रविवार को अज्ञात लोगों द्वारा विधायक से जुड़े व एफआईआर में आरोपी बने शानू उर्फ सौरभ दिघे के घर के हमले किए थे। इस घटना के भी चार वीडियो जारी हो गए। वहीं शेंडगे की मल्टी पर पथराव के भी वीडियो पहले सामने आए थे। इसी हमले को लेकर इन्होंने भी आवेदन पुलिस को दिया है कि हमारी क्रास एफआईआर की जाए और हम पर हमला हुआ है। इस पर अभी केस नहीं हुआ है।

शेंडगे ने पार्टी को यह दिया जवाब- इस मामले में वीरेंद्र शेंडगे को बीजेपी नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा ने नोटिस थमाया था और तीन दिन में जवाब मांगा था। साथ ही उन्हें विधानसभा प्रतिनिधि पद से भी हटाया गया था। इस नोटिस का जवाब पार्टी को भेज दिया गया है। सूत्रों के अनुसार इसमें शेंडगे ने खुद को पीड़ित बताया है। शनिवार रात को शुरूआती मारपीट को लेकर सफाई दी है। इसमें कुत्तों को खाना खिलाने और विवाद की घटना बताई गई है और फिर अगले दिन रविवार 7 जून को अपने घर और शानू दिघे के घर पर हुए हमले, पथराव की बात कही गई है।

पार्टी की तरफ से मामला ठंडा होने की ओर - सूत्रों के अनुसार इस मामले को अब बीजेपी अपनी ओर से कोई तूल नहीं देना चाहती है। इसलिए जवाब को स्वीकार करते हुए भविष्य के लिए चेतावनी देते हुए मामले को खत्म कर दिया जाएगा। हालांकि संघ के पदाधिकारी अभी भी खुश नहीं है।

शनिवार रात के वीडियो में यह आया - महिला फरियादी ने शनिवार रात के हमले की रिकॉर्डिंग अन्नपूर्णा टीआई हित गोपाल यादव को सौंप दी है। इसकी जांच कर चेहरों को पहचाना जा रहा है। वहीं फरियादी ने पुलिस को बताया कि इसमें शेंडगे, शानू उर्फ सौरभ दिघे सहित बड़े नेता के कई समर्थक मौजूद हैं। इनके द्वारा जमकर मारपीट की गई। इसमें सुयश आगर (फरियादी जयानी के पति) का कान का पर्दा फट गया। वहीं संघ पदाधिकारी चेतन पाटिल को बुरी तरह पीटा गया। इनके साथ मौजूद परमवीर व अन्य को बेल्ट से मारा गया। रिकॉर्डिंग में सुना जा रहा है कि बहुत मारा है, पुलिस को फोन करके शिकायत कराओ। फरियादी ने शिकायत में बताया कि इसके बाद यह सभी रात 12 से 12.30 बजे के बीच घर पर आए। तब मैं, मेरी दोस्त पूनम, उनके पति परमवीर के साथ परिजन थे।

इन पर हुई है एफआईआर

शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार 7 जून की शाम पांच बजे हत्या के प्रयास की धारा 109 के साथ ही घर में जबरदस्ती घुसने, संगठित अपराध करने जैसी गंभीर धाराओं में केस किया है। इसमें नामजद आरोपी वीरेंद्र शेंडगे, गिरीश शेंडगे, शानू दिघे, मनीष ईमोलिया, प्रशांत सोनी, प्रणय चित्तौड़ा व अमित कोकाटे बनाए गए हैं। लेकिन पुलिस ने अभी तक इसमें किसी की गिरफ्तारी नहीं की है।

पुलिस की कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

इस पूरे मामले में तीन दिन बीत जाने के बाद भी किसी की गिरफ्तारी पुलिस ने नहीं की है। अभी केवल विवेचना की बात की जा रही है। जबकि हत्या के प्रयास की धारा गंभीर है और इसमें गिरफ्तारी की जाती है। वहीं शेंडगे व शानू के घर पर रविवार को अज्ञात लोगों द्वारा किए गए पथराव और हमले के आवेदन पर भी पुलिस ने अभी कोई केस दर्ज नहीं किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।